केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 254 शनिवार 6 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

कांग्रेस के घोषणा पत्र में 5 न्याय, 25 गारंटी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस पार्टी नो लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व चेयरपर्सन सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने आज पार्टी दफ्तर से इसे जारी किया। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को 'न्याय पत्रश नाम दिया है। इसमें कांग्रेस पार्टी ने देशभर में जाति आधारित जनगणना कराने का भी वादा किया है। कांग्रेस ने कहा है कि उसका घोषणा पत्र पांच न्याय (हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय) पर आधारित है। कांग्रेस ने युवा न्याय के तहत जिन पांच गारंटी की बात की है उनमें 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने न्याय पत्र की जानकारी देते हुए कहा कि 2024 में अगर केंद्र में हमारी सरकार बनती है तो सरकार गरीब परिवार की महिलाओं को हर साल एक लाख रुपये की सहायता देगी।इसके अलावा किसानों की कर्जमाफी का भी उन्होंने वादा किया।

कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में पांच न्याय और 25 तरह की गारंटियों का जिक्र है। खरगे ने यह भी कहा है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर मनरेगा के तहत मजदूरों की मजदूरी 400 रुपये की जाएगी।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों में दस प्रतिशत कोटा बिना किसी भेदभाव के सभी जातियों, समुदायों के लिए लागू किया जाएगा। कांग्रेस गारंटी देती है कि वह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ष के लिए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाने के लिए संवैधानिक संशोधन पारित करेगी। कांग्रेस देशव्यापी सामाजिक–आर्थिक और जाति जनगणना कराएगी। सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए 25 लाख रुपये तक के कैशलेस बीमा का राजस्थान मॉडल अपनाया जाएगा।किसान न्याय के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा दी जाएगी। कर्ज माफी आयोग के गठन किया जाएगा। साथ ही जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया है।

सुरक्षा के लिये जो खतरा बना उसका राम नाम सत्य-योगी

अलीगढ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। शुक्रवार को उन्होंने अलीगढ़ और बागपत में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। बागपत सीट इस बार भाजपा ने एनडीए के सहयोगी रालोद को दी है। वहां से पिछले पचास साल में पहली बार चौधरी चरण सिंह के परिवार का कोई सदस्य मैदान में नहीं है। रालोद ने यहां से राजकुमार सांगवान को उतारा है। सीएम योगी ने अपराधियों पर कसी जा रही नकेल की चर्चा करते हुए कहा कि 2017 से पहले बहू बेटियां घर से नहीं निकलती थीं। अब माहौल बदल गया है। व्यापारी भी सुरक्षित है और बहू बेटियों पर भी नजरें डालने वाले गायब हैं। अब व्यापारी या बहू बेटियों की सुरक्षा के लिए जो खतरा बनता है उसका राम नाम सत्य हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बन गया है। अब दंगा और कर्फ्यू नहीं लगते हैं। उत्तर प्रदेश में अब कांवड़ यात्रा निकल रही है। बरसाने में 20 लाख लोगों ने होली खेली। पहले मुश्किल से 20–25 हजार लोग आते थे। योगी ने कहा कि चुनाव पर कयास लगाने की जरूरत नहीं है, यहां का परिणाम तय है। योगी ने कहा कि अलीगढ़ से गाजियाबाद का सिक्सलेन पहले सपना था अब हकीकत बन चुका है।

कहा कि अलीगढ़ को डिफेंस कारिडोर, सीमेंट फैक्ट्री, यूनिवर्सिटी दी गई। 2017 से पहले उधोग लगाने के बारे में उद्यमी नहीं सोचते थे। अलीगढ़ में यह भी कहा कि चीनी मिल देने का काम करेंगे। किसानों से कहा कि गन्ना बोना शुरू कर दो। चीनी मिलों के पेच कसे जा रहे हैं। गन्ना मूल्य के भुगतान में देरी नहीं हो रही है। बागपत से लेकर बलिया तक भाजपा के पक्ष में माहौल है। दुनिया भारत की ओर देख रही है। सपा पर हमला करते हुए कहा कि सपा उम्मीदवार नहीं तय कर पा रही तो चुनाव क्या लड़ेगी।

एक नजर

अभियुक्त के घर कुर्की का नोटिस चशपा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

कुदरहा (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के भिटौरा गांव में शुक्रवार को नाबालिक लड़की बहला फुसलाकर भगाने के आरोप मे फरार चल रहे अभियुक्त के घर चौकी इंचार्ज कुदरहा सुदीप यादव टीम के साथ पहुंच कर डुग्गी मुनादी कर धारा बयासी का नोटिस चस्पा कर स्वजनों को आगाह करते हुए लडके को बुलाने को कहा।

थाना क्षेत्र के एक गांव से दो माह पूर्व नाबालिक लड़की ले कर युवक फरार हुआ था। स्वजनों के प्रार्थना पत्र पर बिटोरा गांव निवासी 25 वर्षीय भालचंद्र पुत्र रामकल्प शर्मा के खिलाफ एक फरवरी को न्यायालय में मुकदमा पंजीकृत हुआ था। अभी तक दोनों फरार हैं। गांव पहुंच चौकी इंचार्ज सुदीप यादव, कांस्टेबल लालू यादव व शेषनाथ अभियुक्त के घर पहुंच कर डुग्गी मुरादी कर नोटिस चस्पा किया और लोगों को न्यायालय के आदेश को सुनाया।

इस संबंध में चौकी इंचार्ज कुदरहा सुदीप यादव ने बताया कि अभ्युक्त के घर नोटिस चश्मा कर दिया गया है। यदि हाजिर नही होता है तो कुर्की की कार्यवाही की जाएगी।

रिहायशी झोपड़ी में लगी आग से सामान जलकर खाक

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

कुदरहा, (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के उजियानपुर गांव में गुरुवार की रात मे रिहायसी झोपडी मे अज्ञात कारण से आग लगने से घरेलू सामान जल कर राख हो गया। जिसमे बधी एक भैस भी गंभीर रूप से झुलस गयी। ग्रामीणों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गांव निवासी राम सिंह पुत्र राम जनक रोज की तरह रात मे खाना खाने बाद स्वजनों के साथ सो रहे थे। देर रात राम सिंह के माता की नीद खुली तो देखा कि छप्पर धू–धू कर जल रहा है। फिर शोर मचाने लगी। स्वजन व ग्रामीण आग बुझाने में छूट गए। बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन घर का घरेलू सामान, साइकिल, अनाज, भूसा व अन्य सामान जल कर खाक हो गया। बगल में बधी भैंस भी गंभीर रूप से झुलस गयी। आग बुझाने के बाद पड़ोसियों ने राहत की सांस ली।

बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी को उम्र कैद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। विशेष अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अमित वर्मा की अदालत ने अनुसूचित जाति की 14 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म व धमकी देने के आरोपी उम्रकैद व 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड न अदा करने पर डेढ साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी।

स्पेशल प्राजीक्विटर अरविंद पाण्डेय व फौजदारी अधिवक्ता रामकृपाल चौधरी ने कोर्ट को बताया कि नगर थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता की मां ने थाना नगर में तहरीर देकर कहा कि वह अनुसूचित जाति की महिला है। पति रोजी–रोटी के सिलसिले में बाहर रहते हैं। उसकी नाबालिग बेटी जो कक्षा सात में पढ़ती है। 10 अक्टूबर 2018 को सुबह नौ बजे वह अपने घर से पैदल स्कूल पढ़ने जा रही थी। रास्ते में गांव की महिला का रिश्तेदार अरुण उर्फ आल्हा निवासी महादेवा थाना वाल्टरगंज मिल गया। उसने बेटी को स्कूल पहुंचने का झांसा देकर बाइक पर बैठा लिया। वह स्कूल न ले जाकर एक गन्ने के खेत में दुष्कर्म किया और धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज करके आरोप–पत्र कोर्ट में दाखिल किया था। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के उपरांत अरुण को दोषी मानते हुए उम्रकैद व जुर्माने की सजा सुनाई।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाशंकर मिश्र बसपा में शामिल: बस्ती लोकसभा से प्रत्याशी घोषित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष दयाशंकर मिश्र समर्थकों के साथ बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गये। स्टेशन रोड स्थित एक होटल में पूर्व एमएलसी दिनेश चन्द्रा ने बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमन्त्री मायावती के निर्देशानुसार दया शंकर मिश्रा को बसपा में शामिल करते हुए 61 लोकसभा क्षेत्र बस्ती का प्रभारी एवं प्रत्याशी घोषित किया।

बसपा प्रत्याशी दयाशंकर मिश्र ने कहा कि भाजपा में घोर उपेक्षा हो रही थी, कार्यकर्ताओं की नहीं सुना जा रहा था ऐसी स्थिति में वे चुनाव मैंदान में हैं और सभी वर्गो के सहयोग से चुनाव जीतेंगे।

इस मौके पर मुख्य जोन कार्डिनेटर इन्दलराम , मुख्य जोन कोआर्डिनेटर उदयभान, पूर्व विधायक भगवानदास, पूर्व एमएलसी लाल चंद्र निषाद कल्पनाथ बाबू ,राम सूरत चौधरी ,सीताराम शास्त्री, जिला अध्यक्ष जयहिंद गौतम विधानसभा अध्यक्ष कृपाशंकर गौतम,केसी मौर्य,देशराज गौतम,राजीव कुमार के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारियों के साथ ही भाजपा के भी कुछ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा उपाध्यक्ष बने मनोज सिंह

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की संस्तुति के बाद शिव हर्ष किसान पी. जी. कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष मनोज सिंह को मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष नामित किया है।

मनोज सिंह को भाजपा किसान मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष घोषित किये जाने पर सांसद हरीश द्विवेदी, विधायक अजय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, चन्द्रशेखर मुन्ना, पवन कसौधन, यशकान्त सिंह, राजेन्द्रनाथ तिवारी, राना दिनेश प्रताप सिंह, गोपेश्वर तिवारी, राना नागेश सिंह, जगदीश शुक्ल, दिवाकर मिश्र, राजेश पाल चौधरी, प्रमोद पाण्डेय, विजय तिवारी, डा. समीर सिंह, राकेश शर्मा, विजय पाण्डेय, सुजीत सोनी, राकेश उपाध्याय, सुनील पाण्डेय, सुभाष सिंह, संजय सिंह, सन्तोष पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, रामकेवल गुप्ता, गंगा प्रसाद, अमरीश सिंह, अंकित सिंह, पुष्कर श्रीवास्तव, अमित यादव, अक्षय कुमार, आलोक चौरसिया, प्रिन्स उपाध्याय, विशाल पाठक के साथ ही भाजपा के अनेक पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

एसपी से लगाया न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । सोनहा थाना क्षेत्र के आमा निवासी राम निवास ने पुलिस अधीक्षक समेत अन्य उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाया है। भेजे पत्र में राम निवास ने कहा है कि उसने अपनी पुत्री की शादी राहुल निषाद पुत्र नन्दलाल ग्राम फुलवरिया निषाद थाना नगर के साथ तय किया था। फलदान, तिलक के बाद 18 फरवरी को शादी होनी थी। बाद में पता चला कि राहुल निषाद ने बतौर पत्नी दूसरी लड़की को रख लिया है। जानकारी होने पर पंचायत हुई जिसमें निर्णय हुआ कि राहुल पुत्र नन्दलाल तीन लाख 30 हजार रूपया वापस करेंगे।

पत्र में राम निवास ने कहा है कि राहुल पुत्र नन्दलाल ने अलग–अलग माध्यम से 1 लाख चालीस हजार वापस किया किन्तु शेष 1 लाख नब्बे हजार रूपया देने से इंकार कर रहा है। यही नहीं राहुल पुत्र नन्दलाल पैसा देने की जगह अब धमकियां दे रहे हैं। राम निवास ने मांग किया है कि उसका शेष 1 लाख नब्बे हजार रूपया वापस दिलाने के साथ ही राहुल पुत्र नन्दलाल के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई की जाय।

जीवन की दिशा बदलती है शिक्षा- राजेश

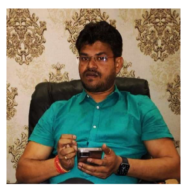

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । श्रीराम पब्लिक स्कूल पुराना डाकखाना में विधि विधान से ज्ञान की देवी मां सरस्वती की प्रार्थना,शिक्षा के संकल्प के साथ नवीन सत्र का शुभारंभ छात्रों के स्वागत के साथ हुआ।स्कूल के एम.डी.राजेश कुमार चौधरी ने छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य के जीवन का सबसे कीमती तोहफा है जो व्यक्ति के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल देती है और संस्कार मनुष्य के जीवन का सार हैं। अच्छे संस्कारों द्वारा ही मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण और विकास होता है और जब मनुष्य में शिक्षा और संस्कार दोनों का विकास होगा, तभी वह परिवार, समाज और देश का विकास कर सकेगा। परन्तु आज के समय में शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान तक ही सीमित रह गई है जबकि शिक्षा का असली उद्देश्य चारित्रिक ज्ञान है। कहा कि आज के माता–पिता और शिक्षकों का यह कर्तव्य होना चाहिए कि बच्चों को सदा सच्चाई के मार्ग पर चलना सिखाएं, उन्हें दूसरों की मदद के लिए प्रेरित करें, माता–पिता, शिक्षक और बड़ों का सम्मान करना सिखाएं, ईश्वर पर विश्वास रखना सिखाएं, उन्हें सहनशील, कर्तव्यनिष्ठ बनाएं तथा सभी से प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाएं। मनुष्य अपने जीवन में जो डिग्री हासिल करता है वह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा मात्र है, जबकि व्यक्ति की असली डिग्री उसके संस्कार हैं, जो उसके व्यवहार में झलकते हैं।

महिला ग्राम प्रधान ने लगाया न्याय की गुहार: दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। राम नगर विकास खण्ड के मैलानी उर्फ हिन्दू नगर की महिला ग्राम प्रधान भुनेश्वरी ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, पुलिस उच्चाधिकारियों को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है।

भेजे पत्र में ग्राम प्रधान भुनेश्वरी देवी ने कहा है कि ग्राम पंचायत मैलानी उर्फ हिन्दू नगर के सतेन्द्र मिश्रा पुत्र जटाशंकर मिश्रा ने जोगिया चौराहे पर अस्पताल खोला है, इनके डिग्री की जांच करायी जाय। इनके इंजेक्शन से उनके ग्राम पंचायत में कई लोग बीमार पड़ गये हैं क्षेत्र में दो–तीन लोगों की जान भी चली गयी है। इसकी शिकायत भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष जो 2014 से हैं राधेश्याम निषाद ने जिला चिकित्साधिकारी बस्ती से किया 2 फरवरी 2024 को फिर कुछ दिन बाद अधीक्षक स्वास्थ्य केन्द्र भानपुर डा० सचिन चौधरी से शिकायत की गई। डा० सचिन चौधरी ने सतेन्द्र मिश्रा के अस्पताल की जांच किया, उसी दिन शाम को सतेन्द्र मिश्रा ने एक मनगढंत कहानी रची मेडिकल लाइन के जानकारी के कारण आर्टिफिसियल चोटें बनवाकर राधेश्याम, नेब्बूलाल पुत्रगण बाबूराम ग्राम मैलानी उर्फ हिन्दू नगर व सुनील कुमार त्रिपाठी पुत्र लालजी त्रिपाठी को मुल्जिम बनवा दिया। ग्राम प्रधान के अनुसार इसमें क्षेत्र के प्रभावशाली व दबंग नेता के दबाव में पुलिस कार्य कर रही है न्याय अन्याय देखा ही नहीं जा रहा है। निष्पक्ष तरीके से जांच की जाये पूरे ग्राम पंचायत वासियों से भी पूछताछ की जाये तो सच सामने आ जायेगा। उनके गांव के आम जन मानस में भय व्याप्त है कैलाश नाथ मिश्रा, बृजेश मिश्रा पुत्रगण रामशंकर मिश्रा ग्राम–मैलानी उर्फ हिन्दू नगर के दोनों डीह के लोगों से, रूस्तमपुर के लोगों के लोगों से, मैलानी उर्फ बेलवा के लोगों से, जोगिया चौराहे के लोगों के लोगों से, पूंछतांछ की जाये, उपेन्द्र मिश्रा, सतेन्द्र मिश्रा पुत्रगण जटाशंकर मिश्रा, क्षेत्र के दबंग नेता के गोल बनाकर रहते है तथा भय का माहौल पैदा कर दिये है जबकि राधेश्याम के शिकायती पत्र की जांच डाक्टर सचिन चौधरी ने किया था। अनेको बार पुरस्कृत ग्राम प्रधान ने माग किया है कि सोनहा थाने में तीन व्यक्तियों पर दर्ज मनगढन्त मुकदमें को समाप्त कर षड़यंत्र करने वाले दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

समाजवादियों ने जयन्ती पर निषादराज गुह्य, महर्षि कश्यप को किया नमन्

—लोकसभा चुनाव के लिये बूथ स्तर के तैयारियों की समीक्षा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर निषादों के राजा गुह्य और महर्षि कश्यप को उनकी जयंती पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम और पार्टी की मासिक बैठक में महेन्द्रनाथ यादव कहा कि निषाद वंश के ऋंगवेरपुर के राजा गुह्य ने वनवासकाल में श्रीराम राम,सीता तथा लक्ष्मण को अपने नगर में रात्रि विश्राम का आश्रय देने के साथ ही केवटराज से गंगा पार करवाया था। वहीं ऋषि कश्यप का समाज निर्माण में विशेष योगदान रहा। हमें अपने महापुरूषों से प्रेरणा लेनी चाहिये। कहा कि लोकसभा का चुनाव शुरू हो गया है, सपा कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी की जीत सुनिश्चित करने के लिये बूथ स्तर पर जुट जाय। यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई है। एकजुटता से ही जीत मिलेगी। कहा कि भारत की गंगा यमुना संस्कृति विविधता लिये हुये है। हमें अपने ऋषियों, मुनियों, विद्वानों के जीवन से प्रेरणा लेनी होगी।

कार्यक्रम में विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल' पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, राम सिंह यादव, समीर चौधरी, रामशंकर निराला, गुलाब चंद सोनकर, मो. स्वालेह, पंकज निषाद, गीता भारती आदि ने कहा कि निषादराज निषादों के राजा का उपनाम है। वे ऋंगवेरपुर (वर्तमान–प्रयागराज) के महाराजा थे, उनका नाम महाराज गुहराज निषादराज था। वे निषाद समाज के थे और उन्होंने ही वनवासकाल में राम, सीता तथा लक्ष्मण को अपने सेवकों के द्वारा गंगा पार करवाया था । वहीं सृष्टि के सृजक सप्तऋषि महर्षि कश्यप ब्रह्मा जी के मानस–पुत्र और मरीची ऋषि के महातेजस्वी पुत्र थे। इन्हें अरिष्टनेमी के नाम से भी जाना जाता था। महर्षि कश्यप ऋषि–मुनियों में श्रेष्ठ माने जाते थे। सुर–असुरों के मूल पुरूष मुनिराज कश्यप का आश्रम मेरू पर्वत के शिखर पर था, जहां वे परब्रह्म परमात्मा के ध्यान में मग्न रहते थे। उनका अखण्ड तप, अलौकिक ज्ञान, धर्मनिष्ठा, परोपकारिता, अद्भूत तेज आदि समस्त लोकों में गुंजायमान था। सृष्टि की सृजना में महर्षि कश्यप जी का अनूठा एवं उल्लेखनीय योगदान था। इसी कड़ी में वक्ताओं ने बूथ स्तर पर सपा की जीत सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विपिन त्रिपाठी, रजनीश यादव, अशोक यादव, विश्वम्भर चौधरी, रजवन्त यादव, फौजदार यादव, संतराम आर्य, चीनी चौधरी, छोटू मिश्र, गौरीशंकर यादव, दिनेश तिवारी, दीपक आर्य, कैलाश शर्मा, राजदेव प्रसाद, जोखूलाल यादव, जर्सी यादव, संजय कश्यप, फूलचन्द भारती, देवेन्द्र श्रीवास्तव, विनय यादव 'भोला' बब्बन चौधरी, धर्मवीर यादव, रहमान सिद्दीकी, राम सुरेश सोनकर, तूफानी यादव, अवधेश मौर्य, संजय गौतम, रिन्टू यादव, प्रशान्त यादव, रामवृक्ष यादव, हनुमान गौड़, शिवम श्रीवास्तव 'सचिन', रामभवन यादव, मधुबन यादव, राजेश पटेल, अजय यादव, निसार अहमद, राजन प्रजापति, शिवम दूबे, सुमित निषाद, सविता, प्रिया श्रीवास्तव के साथ ही सपा एवं इण्डिया गठबंधन के अनेक नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे।

परिषदीय विद्यालय के वार्षिकोत्सव में झूमा बचपन: दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। हरैया विकासखण्ड के आदर्श प्राथमिक विद्यालय सकरदहा के परिसर में गुरुवार को वार्षिकोत्सव एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नेशनल इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ रामनरेश सिंह मंजुल और खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करके किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ योगेश कुमार सिंह की अगुवाई में विकासखण्ड के शिक्षकों ने आए हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। विद्यालय की छात्राएं सोनाक्षी, परवाना, संध्या, अनु, लक्ष्मी, कोमल के द्वारा सरस्वती वंदना, स्वासिनी, लक्ष्मी, मानवी, उर्मी के द्वारा स्वागत गीत के साथ ही विराट, प्रांजल, नीतीश, अरुण, अनुज, सौरभ, समर, श्याम सुंदर, अंश पटेल आदि बच्चों द्वारा सोशल मीडिया का दुरुपयोग, नशा उन्मूलन, रानी लक्ष्मीबाई, वन है तो जीवन है, किसान गीत, होली गीत आदि एक से बढ़कर एक मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जो गुरुवार देर रात तक चलता रहा। बच्चों ने विभिन्न प्रस्तुतियों से प्रकृति व नारी शक्ति का महत्व बताया जिससे उपस्थित लोग एक से बढ़कर एक शानदार कार्यक्रम देखकर झूम उठे।

अतिथियों ने संबोधित करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालय में इस तरह का कार्यक्रम अपने आप में एक मिशाल है। जिस तरह का कार्यक्रम देखने को मिला है वह किसी पब्लिक स्कूल से कम नहीं है। कार्यक्रम को डॉ रामनरेश सिंह मंजुल, प्रमुख केके सिंह, जय बक्श दास, योगेंद्र सिंह, वीरेन्द्र मिश्र, डॉ दीनानाथ पटेल, सुभाष चंद्र त्रिपाठी आदि ने सम्बोधित किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ योगेश कुमार सिंह और प्रधान प्रतिनिधि अशोक शुक्ल ने स्वागत भाषण कर सभी आगंतुकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन शोभा शुक्ला, गिरिजेश बहादुर सिंह और सुभाष सिंह ने किया।

इस अवसर पर रामप्रताप सिंह, अखिलेश सिंह, ध्रुव सिंह, सुभद्रा सिंह, डॉ अभय सिंह, विनोद प्रकाश वर्मा, अर्जुन सिंह, राम सिंह, रणधीर सिंह, सर्वदेव सिंह, डेविड सिंह, प्रमोद त्रिपाठी, रामसागर वर्मा, सत्यराम वर्मा, राजीव शरण, विद्यासागर, अविनाश सिंह, हरी सिंह, मानिकराम वर्मा, अखिलेश सिंह, अमरचंद वर्मा, रामतौल शर्मा, दिनेश मिश्र, नरेंद्र पाण्डेय, गुलाम अशरफ, राम जी वर्मा, जितेंद्र कुमार, शिवनारायण पाण्डेय, दुर्गेश सिंह, स्वामीनाथ शुक्ल, राज नारायण शुक्ल, बिंदू, मनीष, मुकेश, राजेश पाण्डेय, अनीता सिंह, नीलम ओझा, सरिता शुक्ला सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, बच्चे एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ ने किया प्रदेश के सभी सीटों पर भाजपा के जीत का दावा:क्षेत्रवार सौंपी गई जिम्मेदारी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शुक्रवार को विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू हितों की रक्षा के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में महासंघ की भूमिका और रणनीति पर विन्दुवार विचार किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिये हर स्तर पर पहल किया जायेगा। कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने हिन्दू अस्मिता की रक्षा और सनातन परम्परा को मजबूती देने के लिये सर्वाधिक कार्य किया है। अयोध्या, काशी, मथुरा मे सरकार ने सर्वाधिक कार्य किया। बस्ती लोकसभा 61 में घोषित प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के समर्थन में महासंघ पदाधिकारी पूरी ताकत झोंक देंगे। बैठक में विधानसभावार दायित्वों का वितरण किया गया। कहा कि विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने प्रदेश के सभी 80 सीटों पर भाजपा को विजय दिलाने का संकल्प लिया है। महासंघ इस दिशा में निरन्तर गतिशील है।

बैठक में मुख्य रूप से बिंदु गोपाल त्रिपाठी, महेश हिंदुस्तानी, अमरजीत सिंह, विष्णु प्रताप सिंह, परमानन्द गुप्ता, शैलेंद्र सिंह, राकेश सिंह, पलटू राम चौहान, महंत जयप्रकाश दास, विपिन सिंह, अरविंद सिंह, राहुल कमलापुरी, प्रमोद सिंह, सतीश पाण्डेय 'पप्पू', वरुण तिवारी, आजाद सिंह, रूपनारायण, वीनस जायसवाल, चन्द्र मोहन भट्ट, संदीप कुमार यादव, किशन गुप्ता, राम सिंह, शिवसहाय सिंह, धीरज अग्रहरि, सुग्रीव चौहान, कमलेश कुमार, रंजीत चौहान, उदय सिंह, संदीप कुमार,गणेश दत्त तिवारी,विजयपाल, दुखी पाण्डेय, राघवेंद्र मौर्या, राम जी, अनिल कुमार, रणवीर सिंह, महेंद्र कुमार शर्मा, दिवाकर चौधरी, प्रेमचंद गौड़, रामचन्द्र चौधरी, गंगाराम चौधरी, भानु गुप्ता,राजेश कुमार विधायक, विशाल सिंह, राम मूरत शर्मा, कृष्ण मुरारी,राहुल श्रीवास्तव, महेश श्रीवास्तवके साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 अप्रैल 2024 शनिवार

सम्पादकीय

राजनीति के दाग अच्छे हैं

चुनाव के समय का दल बदल देखने लायक होता है। इन दिनों आयाराम, गयाराम और बेमेल गठबंधनों की भरमार हो गई है। पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे–बगाहे उजागर होते रहते हैं। सत्ता के खेल जो विद्रूप न दिखा दें वो कम ही है। सत्ता केंद्रित राजनीति ने भ्रष्टाचार और पाक–साफ होने की अपनी–अपनी परिभाषा गढ़ ली है। कल तक विपक्ष में जो नेता दागदार होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद कहा जाता है कि ये दाग अच्छे हैं। सफाई की इस कार्रवाई में निगरानी करने वाली संवैधानिक एजेंसियों की खामोशी भी विचलित करती है। ऐसे तमाम सवाल इस देश के नागरिकों को उद्वेलित करते रहते हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है। विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल को दाग धोने वाली वॉशिंग मशीन बना लिया गया है। जिसके चलते नियामक संस्थाओं से ड्राइक्लीनिंग की चिट हासिल हो जाती है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दर्शाती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है। दलील दी जा रही है कि जांच बंद नहीं हुई है, आवश्यकता पड़ने पर कार्रवाई की जाएगी। यूं तो जब ये नेता विपक्ष में होते हैं और जांच एजेंसियां उन पर कार्रवाई करती हैं तो सत्तारूढ़ दल की दलील होती है कि कानून अपना काम करता है। जबकि विपक्षी नेताओं का आरोप रहता है कि यह प्रक्रिया तभी तक चलती है जब तक यह राजनीति से प्रेरित न हो। उल्लेखनीय है कि भाजपा में जो पच्चीस राजनेता शामिल हुए हैं उनमें सभी राजनीतिक दलों के नेता हैं। जिसमें कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना, टीएमसी, टीडीपी, एसपी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता शामिल हैं।

विडंबना है कि राजनीतिक निष्ठा बदलना इन नेताओं के लिये राहतकारी साबित हुआ है। वजह यह कि इन नेताओं से जुड़े बीस मामले ठंडे बस्ते में डाल दिये गए हैं। दलील यह दी जाती है कि मामले बंद नहीं हुए हैं, जरूरत पड़ी तो जांच और कार्रवाई भी होगी। जो विपक्ष के उन आरोपों की पुष्टि करते हैं कि यह कार्रवाई राजनीतिक दुराग्रह के रूप में की जाती रही है। यही वजह है कि दल बदलने का फैसला राहत का रास्ता मान लिया जाता है। ऐसे में आम आदमी के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि अचानक जांच एजेंसियां निष्क्रिय क्यों हो जाती हैं? क्यों किसी एजेंसी को लेकर अदालत को कहना पड़ता है कि फलां एजेंसी पिंजरे में बंद तोता है और मालिक की बोली बोलता है। विपक्ष तो आरोप लगाता रहता है कि केंद्र में सत्ता परिवर्तन के बाद से ईडी और सीबीआई ने मुख्यतरू बड़े राजनेताओं के खिलाफ ही कार्रवाई की है। यही वजह है कि विपक्ष सत्ता पक्ष को ऐसी वॉशिंग मशीन की संज्ञा देता है जिसमें कथित दागों की धुलाई हो जाती है। तब उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ता। ऐसा भी नहीं है कि तमाम ऐसी कार्रवाई सिर्फ केंद्र में राजग सरकार के दौरान ही हुई हो। यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में सपा–बसपा के साथ संबंध सुधरने के बाद सीबीआई ने इन दलों के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के मामलों में रुख बदल लिया था। इतना ही नहीं, विगत में सरकार बनाने और बहुमत जुटाने के लिये जो निष्ठा बदलने का खेल हुआ, उसके निहितार्थों में एजेंसियों की छाया महसूस होने की बात विपक्ष करता रहा है। यहां तक कि कई दलों के विभाजन के मूल में एजेंसियों की कार्रवाई के भय की भूमिका बतायी जाती रही है। दल–बदल के बाद उन पर चल रहे मामले या तो बंद हो गए या फिर ठंडे बस्ते में डाल दिए गए। वहीं कई ऐसे मामले भी होते हैं जो खुले तो रहते हैं लेकिन उनमें कार्रवाई होती नजर नहीं आती। निश्चिय ही यह स्थिति किसी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये शुभ नहीं कही जा सकती।

अंधाधुंध चुनावी खर्च और अर्थव्यवस्था

—मधुरेन्द्र सिन्हा—

लोकसभा चुनाव आ गये हैं और पूरे देश में हलचल है। राजनीतिक दल, उनके उम्मीदवार और सरकार सभी सक्रिय हैं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता प्रचार में निकल पड़े हैं और सभाएं होने लगी हैं। बड़े नेताओं के तूफानी दौरे अब शुरू होने वाले हैं। लेकिन जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है कि बड़े पैमाने पर पैसा बंटेगा और लगेगा। एक लोकसभा क्षेत्र में चुनाव में खर्च की एक सीमा तय है और लोकसभा चुनाव में इस बार यह 95 लाख रुपये है जो पिछली बार से कहीं ज्यादा है। लेकिन सच्चाई है कि खर्च कई गुना ज्यादा होगा। देश में कुल कितना खर्च होने की संभावना है, इस पर बहस जारी है लेकिन अनुमान है कि इस बार यह पिछले लोकसभा चुनाव से दुगना होगा।

वर्ष 2024 में लोकसभा की 543 सीटों के चुनाव के लिए खड़े उम्मीदवार कितना खर्च करेंगे, यह उनके सामर्थ्य, उनकी पार्टियों और इलाके पर निर्भर करेगा। कई चुनाव क्षेत्र बहुत बड़े होते हैं और काफी खर्चीले भी होते हैं। स्वतंत्र संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के 75–80 चुनाव क्षेत्र ऐसे रहे हैं जहां 2019 के चुनाव में हर निर्वाचन क्षेत्र में खर्च औसतन 40 करोड़ रुपये हुआ जबकि खर्च की सीमा महज 70 लाख रुपये प्रति उम्मीदवार थी। संस्था का कहना है कि उस चुनाव में 60,000 करोड़ रुपये खर्च हुए जो अनुमान से कहीं ज्यादा है। इसके पहले यानी 2014 में आम चुनाव में 30,000 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। दिलचस्प बात यह है कि 1999 में कुल खर्च 10,000 करोड़ रुपये था जिसे उस समय भी बहुत अधिक माना गया था।

अब 2024 का यह चुनाव कितना खर्चीला होगा, इसका भी अंदाजा लगाना उचित रहेगा। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक इस लोकसभा चुनाव में कुल 11.2 खरब रुपये यानी लगभग 14 अरब डॉलर खर्च होंगे। यह राशि पड़ोसी देश पाकिस्तान के कुल सालाना बजट के एक–तिहाई से भी ज्यादा है। और अगर इतना खर्च हुआ तो यह दुनिया का सबसे खर्चीला चुनाव होगा। इसमें सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार की भूमिका होगी। जाहिर है, सत्तारूढ़ दल सबसे ज्यादा खर्च करेगा। कई निर्वाचन क्षेत्रों में रिकॉर्ड खर्च होगा। सरकारी एजेंसियों की रोक–टोक के बावजूद खर्च में कमी नहीं आएगी क्योंकि सवाल फिर वही यानी अस्तित्व का है और कोई भी हारना नहीं चाहता है। हर उम्मीदवार चाहे वह दमदार न हो, बड़ा खर्च करने से बाज नहीं आ सकता है, क्योंकि एक जीत उसकी जिंदगी बदल सकती है।

चुनाव में उम्मीदवार तरह–तरह के खर्चों के लिए पैसे लगाते हैं जिनमें कार्यकर्ताओं से लेकर व्यवस्था करने वाले ठेकेदारों को बड़ी राशि मिलेगी। लोकसभा चुनाव में हर उम्मीदवार को हजारों कार्यकर्ताओं की सेवा लेनी होती है। हर बूथ पर कार्यकर्ता रखने से लेकर प्रचार करने तक। वह जमाने गये जब पार्टी या उम्मीदवार के नाम पर कार्यकर्ता खुद ब खुद आ जाते थे और अपना योगदान देते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं होता है, कार्यकर्ता की हैसियत और उसकी ताकत के हिसाब से उसे पैसे मिलते हैं जो वह उस पूरी चुनाव अवधि यानी दो या तीन महीने तक पाता रहता है। यह भी एक तरह का रोजगार है। ऐसे ही पैसे ट्रांसपोर्टरों, रसोइयों, खाने–पीने का सामान बेचने वालों, होटलों–रेस्तरां, प्रिंटिंग प्रेस वालों, संचार साधनों की व्यवस्था करने वालों को भी मिलते हैं। इसकी भी संख्या लाखों में होती है। झंडे–पर्चे की अगर पार्टी ने व्यवस्था कर दी तो ठीक है अन्यथा उम्मीदवार खुद ही उन पर खर्च करता है और यह राशि मोटी होती है। राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों की मदद के लिए कई तरह से खर्च करते हैं। यह सारा खर्च लगातार बाजार में पहुंचता रहता है। ऐसे ही एक अवधि तक लगातार पैसे खर्च होते रहते हैं और फिर अर्थव्यवस्था में ही जाते हैं।

ऐसा नहीं है कि चुनाव में सिर्फ उम्मीदवार, राजनीतिक दल या उनके समर्थक ही पैसा खर्च करते हैं। सरकारें भी बड़े पैमाने पर खर्च करती हैं। कर्मचारियों तथा पैरा मिलिट्री फोर्सेज के जवानों की तैनाती, उनके खाने–पीने से लेकर वाहनों की व्यवस्था पर सरकारें बड़े पैमाने खर्च करती हैं। इसके अलावा भी अन्य तरह के सामानों की खरीद की जाती है जिस पर भारी खर्च आता है। यह खर्च भी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन जाता है। खरीदारी और खपत बढ़ती जाती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था खपत पर आधारित है और इसका विकास खपत पर ही निर्भर करता है। आपको याद होगा कि श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में यह बात कही थी कि देश में घरेलू खपत बढ़ने से अर्थव्यवस्था पर अच्छा असर पड़ा है। जीडीपी के विकास की दर बढ़ी है। पूंजी प्रवाह से ही हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ती है। इस बार इतना धन आ रहा है कि इसका असर निश्चित रूप से पड़ेगा। चुनाव जैसे मामले में जहां पैसा संबद्ध लोगों को मिलता है वहां खर्च भी तेजी से होता है। इस धन का बड़ा हिस्सा व्हाइट मनी नहीं होता है और चंदे वगैरह के रूप में आता है जो बैंकों वगैरह में फिर जमा नहीं होता है बल्कि सीधे खर्च कर दिया जाता है। खर्च करने की यह प्रक्रिया अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में तेजी लाती है। चुनाव में लाखों लोगों को अस्थायी रोजगार मिलता है और उनके पारिश्रमिक का पैसा भी खर्च होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां नकदी का प्रवाह कम होता है वहां चुनाव के समय काफी हलचल रहती है क्योंकि उम्मीदवारों या पार्टियों का पैसा उन तक पहुंचता है। यह उनके काम आता है और वे खरीदारी करते हैं तथा खपत बढ़ाते हैं। यह सरकारी योजना मनरेगा की ही तरह है जहां उन्हें थोड़े समय के लिए ही सही पारिश्रमिक मिलता है और उनके खर्च पूरे करने में काम आता है। यह खपत बड़े पैमाने पर होती है और इससे काफी पैसा इधर से उध ार होता है। इससे बाजारों में तेजी आ जाती है।

बेशक यह अस्थायी है लेकिन इसका असर दूरगामी होता है। कई मामलों में इसका असर चक्रीय भी होता है। कुछ क्षेत्रों में यह फिर निवेश की तरह काम करता है जिसके अपने फायदे हैं। इस बार संभावना है कि इतनी बड़ी राशि यानी 14 अरब डॉलर तक खर्च हो सकता है। यह राशि पाकिस्तान के सालाना बजट का एक–तिहाई है और यह अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों पर असर डालेगा। इसका सकारात्मक असर अवश्य दिखाई देगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इंतजार कीजिये चुनाव खत्म होने का।

—लेखक आर्थिक पत्रकार हैं।

शिक्षा के बदलते सरोकार

—अविजीत पाठक—

पिछले कुछ वक्त से, जिस युवा विद्यार्थी से मेरा जुड़ाव गहरा है, उसमें बदलाव होते देख रहा हूं। एक समय था जब वह खिलंदड़ हुआ करता था। साइकिल चलाने से लेकर फुटबॉल के मैदान में या गुणवत्तापूर्ण साहित्य पढ़ने से लेकर अपने मनोभावों को लेखों और लघु कहानियों में पिरोने का आनंद उठाने तकदृ वह असीम सृजनात्मक ऊर्जा से लबरेज हुआ करता था। लेकिन इन दिनों लगता है वह निरंतर तनाव, भय में है और उखड़ा–उखड़ा रहता है। कुछ दिन पहले ही उसने 12वीं कक्षा की बोर्ड–परीक्षा दी है। उसे चिंता है कि क्या वह परीक्षा में कम से कम 97 फीसदी अंक ले पाएगा या नहीं। इसके अलावा प्रवेश परीक्षाओं की एक लंबी शृंखला को लेकर भी उसमें तनाव व्याप्त है। मसलन, जेईई, नीट, सीक्यूईटी इत्यादि, में अपनी कुव्वत सिद्ध करने के लिए इनमें बैठना ही पड़ेगा। इस चिंता ने उसकी हंसी, उसकी अलमस्ती, उसकी नींद और उसकी जीवन ऊर्जा छीन ली है। हालांकि यह केवल किसी एक बच्चे की कहानी नहीं है। यदि आप अपने इर्द–गिर्द देखें। युवा विद्यार्थियों से बात करें। उनकी रोजमर्रा की व्यथा सुनेंदृ स्कूल से लेकर कोचिंग सेंटर तक कीदृ आपको वाकई महसूस होगा कि एक विषैली शिक्षा संस्कृति हमारे बच्चों को बर्बाद कर रही है, उन्हें उनकी खुशियों और उत्कंठा से महरूम कर रही है। एक अशांत एवं नाखुश पीढ़ी पैदा करती जा रही है।

आखिर क्यों कहा जा रहा है कि शिक्षा के नाम पर यह पीढ़ी जहर प्राप्त कर रही है? इसके पीछे चार कारण हैं। प्रथम, परीक्षाओं को अत्यध िक महत्व देने से सीखने का आनंद जाता रहा। अर्थपूर्ण ढंग से जुड़े रहकर शिक्षा पाने वाली संस्कृति को दरकार होती है तनावमुक्त वातावरण की, ताकि कोई छात्र अपने निराले स्वभाव और कौशल के मुताबिक आत्म–अन्वेषण और आंतरिक उन्नति कर पाए। अंकों के आधार पर आकलन, सदा अच्छे नंबर लाना और किसी के ज्ञान का तोल भौतिकी, गणित या अंग्रेजी में पाए अंकों से करने का बेलगाम दबाव, वह भी हफ्ते दर हफ्ते, महीना दर महीना और साल दर साल परीक्षाओं के जरिए या फिर अत्यधिक जटिल होते जा रहे अभ्यास, परीक्षा प्रपत्रों को हल करने की शृंखला ने बच्चे की सीखने की नैसर्गिक लय को भंग कर डाला है। साथ ही हद दर्जे का तनाव, भय और मानसिक संत्रास बना डाला है।

दूसरी बात यह कि इसने सामाजिक संपर्क की आवश्यकता को भी बिगाड़ दिया है, संयुक्त एवं आपसी संवाद से सीखने की भावना खत्म होती जा रही है। इसकी बजाय, अति–प्रतिस्पर्धा का वायरस, दूसरे की सफलता से जलन, एकाकीपन और स्वार्थीपन युवा छात्रों के मानस में घर करता जा रहा है। शिक्षा की ऐसी संस्कृति की वजह से हमारे बच्चों के लिए सामाजिक मेल–मिलाप से सीखना लगातार मुश्किल बन रहा है जबकि किसी स्वस्थ और लोकतांत्रिक समाज के लिए खुद को बनाए रखने वास्ते जरूरी है विनम्रता, सहृदयता और संवाद के जरिए संयुक्त उत्थान की प्राप्ति, सहयोग और आपसी देखभाल वाली संस्कृति।

तीसरी बात यह है कि चूंकि वर्तमान में सफलता गाथाओं के प्रति आसक्ति हावी है। गौर करें कि कैसे नीट या जेईई परीक्षाओं में टॉप करने वालों को अंधाधुंध प्रचार के जरिए रातों–रात पौराणिक कथाओं के विजेता नायकों सरीखा स्टारडम प्रदान कर दिया जाता है। इन 'चमकीले सितारों' के बीच यह हरकत जाने–अनजाने में विफलता की गाथाएं भी पैदा करती जाती है। जी हां, हर साल, हम हजारों–हजार युवाओं को यह मानने को मजबूर करते हैं कि वे किसी काम के नहीं क्योंकि वे अलां–फलां परीक्षा नहीं निकाल पाए, इसलिए वे डॉक्टर या इंजीनियर बनने लायक नहीं हैं, हम उन्हें विफलता का कलंक, कमजोर पड़े आत्म–सम्मान, जख्मी स्वः और आत्महत्या करने की सोच के साथ जीने को मजबूर कर रहे हैं।

चौथी बात यह कि शिक्षा की यह संस्कृति इसलिए भी विषैली है क्योंकि यह एकल–आयामी है। जैसा कि इन दिनों यंत्रवत सोच बन गई है कि किन्हीं उच्च तकनीक–कॉर्पोरेट्स में ऊंचे वेतनमान वाली नौकरी पा लेना ही शिक्षित होने और उच्चता पाने का द्योतक है, जो कुछ हमें दिखाया जा रहा है, वह व्यवस्थित ढंग से अन्य पेशों के सम्मान को कमतर करना है। इसके अलावा, यह करना मानवेतर शिक्षा के मूल्यों को कमजोर करना है। मानो, यह खेल चलाने वाले नीति–निर्माता और अकादमिक प्रबंधक ऐसी पीढ़ी को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, जो केवल विशेषज्ञों की बनी हो, जैसे कि रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विशेषज्ञ। लेकिन उन्हें न तो आत्मा को जगाने वाले महान काव्य, साहित्य और आध्यात्मिक लेखों से सरोकार है न ही व्यक्ति को अंधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले, ईर्ष्यागत प्रवृत्ति से हटाकर सहचर की ओर ले जाने वाली शिक्षा में दिलचस्पी है। वास्तव में आज हमारे सम्मुख तकनीक रूप से उन्नत किंतु नैतिकताविहीन पीढ़ी है। यह परम विद्रूपता है।

पूरी तरह पक्का नहीं है कि क्या हमारे बच्चों को इस विषैली संस्कृति से बचा पाना संभव होगा कि नहीं। तथापि, सकारात्मकता के तौर पर, हम यानी अध्यापक और अभिभावकों को अपनी आवाज उठानी होगी ताकि शिक्षा की नई पद्धति बन पाए। वे सब जिन्हें अभी भी शिक्षण के पेशे से प्यार है, उनके लिए जरूरी है कि वे उदारवादी शिक्षा या लोकतांत्रिक कक्षा के माहौल को जीवित रखें। जब तक कि हम अध्यापक इस बारे में खड़े नहीं होंगे, अपने ऊपर काम नहीं करेंगे, आत्म–विश्वास से परिपूर्ण भूमिका नहीं निभाते या अन्य शिक्षाविदों और जन–बुद्धिजीवियों को नहीं जगाते तब तक न तो नौकरशाही की मशीन की तीलियां हिलेंगी न ही बच्चों की दुनिया से पूरी तरह कटे पड़े तकनीकी–प्रबंधकों–कॉर्पोरेट्स के कर्ता–धर्ताओं द्वारा बनाई उन नीतियों को सिर झुकाकर मानते चले जाने वाला चलन बदलेगा। इतना ही नहीं, उनमें सीखने–सिखाने के उचित तौर–तरीकों का शऊर भी नहीं है। शिक्षा को बचाने की मुहिम चलाए बिना कोई उम्मीद नहीं है।

इसी प्रकार, अभिभावकों के लिए भी अहम है यह महसूस करना और प्रोत्साहित करना कि हरेक बच्चा अपने–आप में अलग होता है। किसी की बुद्धिमत्ता को साझा पैमाने से या सामान्यकृत कर दिए गए अंकों से नापने वाली पद्धति के जरिए आंकना सही नहीं। यदि आपके बच्चे को विज्ञान पसंद नहीं है या उसे मैथ्स–ऑलिम्पियाड परीक्षा में भाग लेने की ललक नहीं तो यह कोई अप्राकृतिक घटना नहीं है। उसके अंतस को जानने में, सहानुभूति वाली समझ बनाने से आपको पता चल सकता है कि वह किसी अन्य किस्म के कौशल अथवा कला या योग्यता से परिपूर्ण है, मसलन, पेंटिंग, संगीत, खेती या फिर सामाजिक कार्य में।

हम कब महसूस करेंगे कि बाजार के प्रचलित मूल्यों की एक नैतिक हद होती है और इसमें कुछ गलत नहीं यदि हमारा बच्चा अपेक्षाकृत कम आय वाले काम–धंधे में भी खुश रहे, जो कि उसके विलक्षण स्वभाव के अनुरूप हो? जिंदगी में इससे ज्यादा कुछ दुखदायक नहीं होगा यदि किसी बच्चे को अपना निजी विलक्षण कौशल या स्वभाव, सामान्यकृ त बना दी गई 'सफल विद्यार्थी आकलन पद्धति' वाली चूहा–दौड़ विषैली संस्कृति की भेंट चढ़ाना पड़ जाए।—लेखक समाजशास्त्री हैं।

राजनीति में मुद्दों की तलाश

- डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

18 वीं लोकसभा के चुनावों का बिगुल बज चुका हैं वहीं पहले चरण की 102 सीटों के लिए नामांकन का कार्य पूरा होने के साथ ही एनडीए ने 31 मार्च को मेरठ और इंडी गठबंधन ने नई दिल्ली से चुनावी कंपेन का आगाज कर दिया है। लोकसभा के सातों चरणों के मतदान तक राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। सौ टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में चुनाव अभियान के दौरान आखिर मुख्य मुद्दे क्या बनेंगे ? हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान गांरटियों की खूब चर्चाएं रही। एक तरफ गांरटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दें तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि जनता से जुड़े मुद्दों को आमजनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है। इसका कारण भी कुछ और ही होता जा रहा है। किसी जमाने में गरीबी हटाओं या भ्रष्टाचार मिटाओं या महंगाई या बेरोजगारी तो सकारात्मक प्रचार अभियान में विकास की बात आदि मुद्दे महत्वपूर्ण होते थे पर अब देखा जाए तो यह मुद्दे वोट में तब्दील नहीं हो पा रहे हैं। पिछले चुनावों के अनुभव हमारे सामने हैं। दर असल अब नकारात्मक प्रचार राजनीतिक दलों पर उलटा पड़ने लगा है। पिछले दो लोकसभा के चुनावों में चौकीदार, सेना के साक्ष्य, चाय वाला आदि ऐसे वक्तव्य रहे जिसका जितना अधिक उपयोग हुआ वह भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ही गया। दरअसल अब वोट विश्वसनीयता यानी की भरोसे और वोल्डनेस पर पड़ने लगे हैं। एक बात यह भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि आजादी के 75 साल बाद भी किसी दल का वोट प्रतिषत 50 प्रतिशत का आंकड़ा छू नहीं पाया है। दूसरी और चुनाव आयोग द्वारा लाख प्रयासों के बाद भी 100 में से 33 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर मतदान के लिए ले जाने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं। खैर यह अलग विचारणीय मुद्दे हैं।

विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबेधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसियों का हथियार के रुप में उपयोग, चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर अभी तक जो दिखाई दे रहा है उसमें साफ है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण तो विपक्षी खासतौर से इंडी के दलों का जुड़ना बिखरना जारी है। एक तरफ ममता पं.बगांल में कांग्रेस द्वारा वामपंथी दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने को खुले आम भाजपा को लाभ बताने वाला निर्णय बता रही हैं वहीं बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली में कांग्रेस का छोटे पार्टनर के रुप में सामने आने, पंजाब में आप से सीटों के बंटवारें को लेकर समझौता ही नहीं होने, बसपा का अलग रुख, अजित जनता दल का बीजेपी के साथ आना, ओडीसा में बीजद सहित विरोधाभास सामने आ रहे हैं। वहीं दिल्ली की रैली से साफ हो जाता है कि विपक्ष का जो पैनापन होना चाहिए था वह लगभग असरदार नहीं दिखा। चुनावी बॉण्ड का मुद्दा जिस तरह से उछला वह अपनी धार नहीं दिखा पाया क्योंकि चुनावी चंदा सभी ने लिया चाहे वो कम हो या ज्यादा। दूसरी बात आमजन का यह सोच माना जा सकता है कि सभी राजनीतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं और साफ है कि इसका फायदा सत्तारुढ़ दल को अधिक ही मिलता है। चंदा देने वाला अपने निहितार्थ देखता है और यही कारण है कि वह सत्तारुढ़ दल को अधिक चंदा देता है। इसलिए जिस तरह से यह बड़ा मुद्दा बनने की संभावना देखी जा रही थी वह कहीं पीछे ही रह गई। इसी तरह से केजरीवाल सहित आप नेताओं पर ईडी छापों और जेल का मुद्दा भी अधिक असर दिखाता नहीं लग रहा। इसका कारण भी साफ है कि केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ ही सत्ता में आये थे पहलीबात तो उनके नेताओं पर शराब ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, दूसरी और बार बार सम्मन आने पर भी रेस्पांस नहीं करने और गिरफ्तारी के बाद भी पद पर बने रहने का आमजन में अभी तो नकारात्मक असर ही दिखाई दे रहा है।

60 लाख की लूट को अंजाम देने वाले बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े, मुठभेड़ में एक को लगी गोली

संवाददाता–गोण्डा। जिले में थाना करनैलगंज पुलिस और एसओजी टीम की संयुक्त कार्यवाही में सर्राफ लूटकांड के चार आरोपी पुलिस मुठभेड़ के बाद दबोच लिए गए। इस दौरान गोली लगने से एक आरोपी जख्मी हो गया है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी विनीत जायसवाल के मुताबिक बदमाशों के कब्जे व निशानदेही पर लूट के 220 ग्राम सोने के आभूषण, 22 लाख रुपए नगद, लूट के पैसों से खरीदी गयी एक्सयूवी कार, नया एप्पल मोबाइल फोन के साथ घटना में प्रयुक्त बाइक, हेलमेट, चार अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किए गए हैं।

एसपी के मुताबिक एएसपी पश्चिमी राधेश्याम राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटना का खुलासा किया है। लूटकांड में संलिप्त शातिर राजा पाण्डेय उर्फ राघवेन्द्र पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ है। तीन आरोपियों सत्येन्द्र पाण्डेय उर्फ उदय पाण्डेय, सूरज पाण्डेय और फरहान अंसारी को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से लूट वादी का बैग, आधार कार्ड, पासबुक, चाभी का गुच्छा बरामद किया गया ।

कस्बे के विश्वनाथ शाह पुत्र हरिद्वार शाह निवासी गांधीनगर ने बीते पांच मार्च को घटना की तहरीर दी थी। इसके मुताबिक चार मार्च को रात्रि लगभग दस बजे वह अपनी दुकान में हिसाब कर रहे थे। इसी बीच अचानक हेलमेट लगाकर दो अज्ञात बदमाश दुकान में घुस आए। बदमाशों ने तमंचे के बल पर दुकान से 10 किलो चांदी, 600 ग्राम सोना, व 1,80,000 रुपए की नगदी डरा धमका कर लूट ली । इसकी सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। दौरान पुलिस अफसरों के साथ स्वाटध्सर्विलांस, डाग स्क्वायड, फील्ड यूनिट टीम मौके पर पहुँच गई और जांच पड़ताल शुरू कर दी। घटना को बेहद गंभीरता से लेते हुए एसपी विनीत जायसवाल ने इसके खुलासे के लिए एसओजीध सर्विलांस टीम सहित कुल 05 टीमों को लगाया था।

पुलिस पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी राघवेन्द्र उर्फ राजा पाण्डेय ने सर्राफ विश्वनाथ शाह की दुकान पर कुछ वर्ष पूर्व कई दिनों तक काम किया था। वह उनकी दिनचर्या से भलिभाँति परिचित था । राघवेंद्र उर्फ राजा पांडे ने अपने भाई सूरज पांडे और सत्येंद्र उर्फ उदय पांडे के साथ दुकान पर लूट करने की योजना बनाई गई। योजनाबद्ध तरीके से राजा पांडे व उदय पांडे ने कुछ दिन पूर्व घटना के समय पहनने के लिए दो हेलमेट खरीदे तथा सड़क की दुकान से जैकेट तथा लोअर खरीदा गया ।आरोपी फरहान अंसारी से घटना में प्रयुक्त तमंचे खरीदे । चार मार्च को बाजार बन्दी होने के कारण सुनसान था जिसका लाभ उठाकर राघवेन्द्र उर्फ राजा पांडे ने अपने भाई उदय पांडे के साथ सर्राफा की दुकान में लूट की घटना को अंजाम दिया। लूटे गए आभूषणो को सूरज पांडेय ने लखनऊ के अमीनाबाग में बतासे वाली गली में ज्वेलर्स की दुकान पर बेचकर प्राप्त रुपए हासिल किए। इससे लखनऊ में एप्पल मोबाइल व लखनऊ कार बाजार से सेकंड हैंड एक्सयूवी कार राघवेन्द्र उर्फ राजा पाण्डेय के नाम पर खरीदी गयी । घटना का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को एसपी ने 25,000 रूपये का नगद पुरस्कार देने का एलान किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन सगे भाई जिले के परसपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर बाजार के निवासी है। वहीं, फरहान अंसारी पुत्र इदरीश अंसारी शहर कोतवाली के आवास विकास कालोनी का रहने वाला है।

बेटे की हत्या करने की धमकी देकर व्यापारी से मांगी 20 लाख की फिरौती, तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। बहराइच में मोबाइल फोन पर मैसेज भेज कर एक व्यापारी से 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। पैसा ना देने पर उसके बेटे की हत्या करने की धमकी दी गई। जिससे पूरा परिवार भयभीत हो गया। बहराइच शहर के रहने वाले किराना व्यापारी से एक सप्ताह पहले कुछ लोगों ने मोबाइल पर मैसेज भेज कर 20 लाख रुपये के फिरौती की मांग किया। पैसा ना देने पर बेटे की हत्या की धमकी दी गई। व्यापारी की शिकायत पर नगर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू किया। पुलिस की साइबर टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बहराइच शहर के खत्री पुरा के रहने वाले एक व्यापारी से बीते 27 मार्च को किसी ने मोबाइल पर मैसेज भेज कर बेटे के सलामती के लिए 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी। पीड़ित ने नगर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि किसी अज्ञात नंबर से उसके पास मैसेज आया है। जिसमें 20 लाख रुपये की मांग की गई है। पैसा ना देने पर बेटे की हत्या की धमकी दी गई। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पवित्र मोहन त्रिपाठी ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए साइबर और कोतवाली नगर पुलिस की टीम को लगाया गया था। साइबर सेल की टीम ने कोतवाली नगर पुलिस की मदद से रामगढ़ थाना क्षेत्र के मीरपुर कस्बा निवासी रुस्तम उर्फ मोहम्मद असलम, गुलफाम पुत्र नैयाब निवासी सलारगंज दरगाह और कोतवाली नगर के नजीरपुरा के रहने वाले अनवर पुत्र चुनान को गिरफ्तार का जेल भेज दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार में दहशत फैलाने के लिए फिरौती मांगी थी। खुलासा करने वाली टीम में साइबर सेल प्रभारी संतोष कुमार सिंह, उप निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी, हेमंत सिंह, कोतवाल मनोज कुमार पांडे, पंकज गुप्ता और नितिन अवस्थी शामिल रहे।

शत्रु संपत्ति के मामले में सपा नगर पालिका अध्यक्ष को पुलिस ने गिरफ्तार किया

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष उजमा राशिद के खिलाफ नगर कोतवाली में बीते 16 मार्च को जालसाजी धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

आरोप है कि नगर पालिका परिषद के दस्तावेज में कूट रचना कर अवैध तरीके से शत्रु सम्पत्ति को उजमा राशिद के नाम अंकित किया गया है। पुलिस ने आज सुबह अचानक नगर पालिका अध्यक्ष को हाउस अरेस्ट किया। उसके बाद पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर मेडिकल परीक्षण करने के बाद जेल भेज दिया।

गोंडा जिले के नगर पालिका गोंडा की अध्यक्ष उजमा रशीद के खिलाफ शत्रु संपत्ति के मामले में अवैध कबजेदारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बीते 16 मार्च को नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ धोखाधड़ी जालसाजी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

संरक्षक शत्रु सम्पत्ति गृह मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के निर्देश पर जून 2023 में नगर पालिका अध्यक्ष उजमा राशिद के आवास को प्रशासन ने सील करा दिया था। मामला नगर पालिका क्षेत्र के रकाबगंज में स्थित दुकान संख्या 15 और 16 से संबंधित है। यह शत्रु सम्पत्ति है। वर्ष 1967 में देश भर की शत्रु सम्पत्तियां गृह मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के नाम हस्तांतरित कर दी गई थी। वर्ष 2020 में गोण्डा के रकाबगंज स्थित इस शत्रु सम्पत्ति पर अवैध कब्जा किए जाने का प्रकरण सामने आया।

संरक्षक शत्रु सम्पत्ति गृह मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के स्तर पर जांच कराई गई। इस जांच में शत्रु सम्पत्तियों पर अनाधिकृत रूप से कब्जा किए जाने का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि उजमा राशिद को वर्ष 2001–02 से इस सम्पत्ति का किरायेदार दिखाया गया है। बाद में इस सम्पत्ति का हस्तांतरण भी किया गया। जांच में स्पष्ट हुआ है कि नगर पालिका परिषद गोण्डा के शत्रु सम्पत्ति संबंधी दस्तावेजों में छेड़छाड़ की गई है। कूट रचना कर अनियमित तरीके से उजमा राशिद का नाम इन दस्तावेजों में अंकित किया गया है। संरक्षक शत्रु सम्पत्ति गृह मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली के आदेश पर जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर 16 मार्च को नगर कोतवाली में धोखाधड़ी जालसाजी सहित विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष की गिरफ्तारी के कयास लगाये जा रहे थे। पुलिस ने आज नगर पालिका अध्यक्ष को हाउस अरेस्ट करने के बाद दोपहर में जुम्मे की नमाज के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर मेडिकल कराने के बाद जेल भेज दिया।

दलित महिला से रेप, शादी के बाद पति के पास भेजा अश्लील वीडियो

संवाददाता–गोण्डा। जिले के नवाबगंज थानाक्षेत्र के एक गांव में दलित महिला का अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देते हुए युवक ने कई बार उसके साथ दुराचार किया किया। यहीं नहीं उसके पति के पास अश्लील फोटो और वीडियो भेज दी। इसके बाद पति ने उसे छोड़ दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता ने आरोपी रामू यादव के विरुद्ध तहरीर दी। इस पर पुलिस ने उसके खिलाफ कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। आरोप है कि युवक अरसे पीड़िता का अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म कर रहा था। पीड़िता की शादी हो जाने के बाद भी उसे अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने का प्रयास किया। जब महिला ने इनकार कर दिया तो उसने वीडियो और फोटो को उसके पति के पास भेज दिया। इसके चलते महिला के पति ने उसे छोड़ दिया।

श्रद्धालुओं की सहूलियत का रखें पूरा ध्यान –डीएम

संवाददाता–गोण्डा। शक्तिपीठ मां बाराही मंदिर में 9 अप्रैल से प्रारंभ हो रहे चौत्र नवरात्रि पर्व पर आयोजित मेले की तैयारी के लिए बैठक शुक्रवार को डीएम नेहा शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इसके बाद डीएम ने मेला परिसर का निरीक्षण करके व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। बैठक में सीओ सौरभ वर्मा, बीडीओ विजयकांत मिश्रा, प्रधान रामभान सिंह, समरजीत सिंह उर्फ बौखल सिंह, अशोक सिंह, सुरेंद्र सिंह ,गनी मोहम्मद, राघव दास, योगेंद्र दास, ज्ञानेश्वर आदि उपस्थित रहे। डीएम नेहा शर्मा ने कहा कि बाराही मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों से यहां श्रद्धालु एवं पदयात्री पहुंचते हैं। 9 अप्रैल से चैत्र नवरात्रि का पर्व प्रारंभ होने वाला है। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। कहा कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों के लिए बेहतर तरीके से सेवा पंडाल एवं अच्छी व्यवस्था रहे। उन्होंने ग्राम प्रधान से कहा कि ज्यादा से ज्यादा सेवा पंडाल लगाएं और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने डीपीआरओ से जगह–जगह डस्टबिन रखवाने के लिए कहा। डीएम ने पेयजल की नियमित आपूर्ति करने, चिकित्सा व्यवस्था, विद्युत, साफ–सफाई व्यवस्था, बेरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, शौचालय तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने थानाध्यक्ष संजीव वर्मा से पार्किंग एवं अन्य व्यवस्था के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। वाहनों की पार्किंग के लिए एक दर निर्धारित करने के निर्देश दिए।

टायर फटने से बेकाबू रोडवेज बस ट्राले में घुसी, कई घायल

संवाददाता–गोण्डा। बलरामपुर से लखनऊ जा रही कैसरबाग डिपो की रोडवेज बस अगला पहिया फट जाने से बेकाबू होकर सामने से आ रहे गन्ना लदे ट्राले में घुस गई। हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। कुछ घायलों का इलाज गोंडा के निजी अस्पताल में चल रहा है। जबकि, बस चालक और परिचालक सुरक्षित बताए जा रहे हैं। शुक्रवार दोपहर कैसरबाग डिपो की बस बलरामपुर से सवारी लेकर लखनऊ जा रही थी। बस जैसे ही करूवापारा गांव में स्थित पेट्रोल पम्प के पास पहुंची उसका अगला बायां टायर फट गया। इससे रोडवेज बस बेकाबू होकर सामने से आ रही गन्ने से लदे ट्राले जा भिड़ी। हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची इटियाथोक कोतवाली पुलिस ने आसपास के लोगो की मदद से गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। चालक नरेन्द्र सिंह ने बताया बस के आगे बायीं तरफ का टायर फट जाने से यह हादसा हुआ है। बस के परिचालक रितेश कुमार को भी मामूली चोटें आई हैं। इटियाथोक प्रधान प्रतिनिधि राजेश दुबे की पुत्री सोनाली शुक्ला (26), मुन्ना (40), विधात शुक्ल (03) बलरामपुर से इटियाथोक के लिए उसी बस पर सवार थे जो घायल हो गए। बस में सफर कर रहे अन्य यात्रियों को रोडवेज बस की दूसरी बस से गंतव्य तक भेजा गया है।

समाज की दिशा–दशा तय करते हैं अधिवक्ता –प्रशांत

संवाददाता–गोण्डा। हमारे समाज की दिशा व दशा तय करने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अधिवक्ता ही गरीबों–पीड़ितों को न्याय दिलाने का भी काम करता है। ये बातें शुक्रवार को बार काउंसिल के सचिव व यूपी सरकार के मुख्य स्थाई अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल ने तहसील परिसर में आयोजित बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्र किशोर पाठक व संचालन अरुण कुमार पांडेय ने किया।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि बार काउंसिल के सदस्य मधु सूदन त्रिपाठी, राकेश पाठक ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन करके कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद अध्यक्ष जेपी तिवारी व मंत्री अजय शुक्ल के साथ अधिवक्ताओं ने सभी अतिथियों, ग्राम न्यायालय के जज दीपेंद्र प्रताप सिंह, एसडीएम यशवंत राव, एसडीएम न्यायिक विश्वामित्र सिंह, शिक्षक संघ के महामंत्री राधा मोहन पांडेय, डीसीजी वसंत कुमार शुक्ल, सब रजिस्टार हीमेंद्र उपाध्याय, राहुल शुक्ल, विक्की मिश्र, पहलवान तिवारी, अजय शंकर श्रीवास्तव उर्फ बंटी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व फूल माला पहनाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान विशिष्ठ अतिथिगण डीबीए अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, संगम लाल द्विवेदी, सिविल बार के महामंत्री दिनेश नरायन पांडेय, पूर्व अध्यक्ष माधव राज मिश्र, पूर्व मंत्री जगन्नाथ शुक्ल का स्वागत किया। अधिवक्ता श्रवण कुमार शुक्ल, केदारनाथ मिश्र, रुचि मोदी, उप निरीक्षक मनोज सिंह ने अपने विचार रखे। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष सीपी वर्मा, सुनील सिंह, भास्कर शुक्ल, बिन्दु कुमार उपाध्याय, उमाकांत शुक्ल, अमित शुक्ल, सुधीर श्रीवास्तव, अरविंद भारती, महेश दूबे , विजय प्रताप सिंह, पंकज पाठक, डीके पान्डेय, श्याम लाल शुक्ल, दीपू तिवारी, कवि सतीश आर्या, श्रीराम सिंह, प्रधान अवधेश उपाध्याय, धनपतिधर शुक्ल सिंह आदि मौजूद रहे।

यूपी बार काउंसिल के सदस्य मधुसूदन त्रिपाठी ने बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जगदीश प्रसाद तिवारी, महामंत्री अजय कुमार शुक्ल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष संदीप कुमार शुक्ल, संयुक्त मंत्री प्रशासन प्रवीण कुमार तिवारी, नित्यानंद पांडेय, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य अवधेश कुमार मिश्र, गौरव सिंह, शिखर श्रीवास्तव, कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य अनिल कुमार द्विवेदी, श्याम नरायन मिश्र को सामूहिक रूप से पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

पापमोचनी एकादशी को आचार्य पीठ श्री लक्ष्मण किला संपन्न हुआ यज्ञोपवीत संस्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। चैत मास के कृष्णपक्ष की पापमोचनी एकादशी को आचार्य पीठ श्री लक्ष्मण किला में पीठाधीश्वर महंत मैथिलीरमण शरण महाराज के अध्यक्षता में वैदिक बटुकों को वेद अध्ययन के लिए विधि–विधान से दो दर्जन बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार कराया गया। वैदिक सनातन परंपरा के अनुसार यज्ञोपवीत संस्कार के बाद ही कोई भी व्यक्ति भेड़ अध्ययन कर सकता है। लक्ष्मण किला में ठाकुर राम जानकी के सामने विद्वान आचार्यों ने मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञोपवीत संस्कार कराया, आचार्य के रूप में लक्ष्मण किला धीश महंत मैथिलीरमण शरण महाराज ने सभी बटुकों के गायत्री मंत्र देकर के वेद अध्ययन के लिए अनुमति प्रदान की। यज्ञोपवीत संस्कार का कार्यक्रम श्री लक्ष्मण किला के अधिकारी सूर्यप्रकाश शरण महाराज के संयोजन में कराया गया।

महंत मैथिलीरमण शरण महाराज ने बताया कि यज्ञोपवीत संस्कार भारतीय गुरुकुल परंपरा में यज्ञोपवीत संस्कार को बहुत ज्यादा महत्व दिया गया है यज्ञोपवीत होने के बाद ही बालक गुरुकुल में प्रवेश लेता है और गुरुकुल के दिनचर्या का पालन पठन–पाठन अध्ययन गुरुकुल परंपरा के अनुसार सुरु होता है सनातन धर्म में 16 संस्कारों को काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। सूर्य प्रकाश शरण महाराज ने बताया कि जनेऊ धारण के समय बालक के हाथ में एक दंड होता है और वह बगैर सिला एक ही वस्त्र पहनता है, उसके गले में पीले रंग का दुपट्टा होता है। मुंडन के बाद शिखा रखी जाती है। पैर में खड़ाऊ होती है। मेखला, कोपीन, दंड रू कमर में बांधने योग्य नाड़े जैसे सूत्र को मेखला कहते हैं। मेखला को मुंज और करधनी भी कहते हैं। कपड़े की सिली हुई सूत की डोरी, कलावे के लम्बे टुकड़े से मेखला बनती है। कोपीन लगभग 4 इंच चौड़ी डेढ़ फुट लम्बी लंगोटी होती है। इसे मेखला के साथ टांक कर भी रखा जा सकता है। दंड रूप में लाठी या ब्रह्म दंड जैसा रोल भी रखा जा सकता है। यज्ञोपवीत को पीले रंग में रंगकर वैदिक मंत्रो के साथ धारण कराया जाता है आचार्य मंत्र देते हैं इन्हीं नियमों का पालन करते हुए आज लगभग दो दर्जन बटुकों का आचार्य पीठ श्री लक्ष्मण किला में शास्त्रोक्त विधि विधान से गुरुकुल परंपरा के अनुसार वैदिक सदाशिव तिवारी ने संपन्न कराया। इस मौके पर प्रिया प्रीतम शरण राजेश झा सुशील नारायण झा आचार्य प्रियांश आचार्य संजय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

विश्व कल्याण हेतु श्रीराम लक्ष्मण कुंज में हुआ रामार्चा पूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्याधाम के लवकुश नगर स्थित प्रतिष्ठित पीठ श्रीराम लक्ष्मण कुंज में शुक्रवार को विश्व कल्याण हेतु रामार्चा पूजन किया गया। पूजन से पूरी अयोध्यानगरी गुंजायमान रही। चहुंओर भक्तिमय वातावरण फैला रहा। वैदिक रीति–रिवाज से विधि विधान पूर्वक रामार्चा पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। अंत में भक्तगणों को पूजन का प्रसाद वितरित किया गया। रामार्चा पूजा का प्रसाद ग्रहण कर भक्तों ने अपना जीवन धन्य बनाया। रामार्चा पूजन को लक्ष्मण कुंज के पीठाधीश्वर महंत लक्ष्मण दास महाराज ने अपना सानिध्य प्रदान किया। सर्वप्रथम उन्होंने रामार्चा पूजा का अनुष्ठान विधि–विधान से पूर्ण कराया। उसके बाद मुख्य यजमान समेत उपस्थित भक्तगणों को रामार्चा पूजा की कथा सुनाई। साथ ही साथ पूजन के महत्व के बारे में बताया। रामार्चा पूजन के समाप्ति उपरांत भगवान का भोग, आरती, पूजन किया गया। तदुपरांत उपस्थित जनों को रामार्चा का प्रसाद बांटा। प्रसाद पाकर भक्तगण धन्य हुए। महंत लक्ष्मण दास महाराज ने कहा कि विश्व के कल्याण हेतु आश्रम में रामार्चा पूजन किया गया। इससे राष्ट्र की उन्नति होगी और विश्व में शांति–सद्भाव स्थापित होगा। लोग आपसी भाईचारे के साथ रहेंगे। उनमें हमेशा तालमेल बना रहेगा। किसी प्रकार का भेदभाव नही होगा। सब लोग मिलजुलकर रहेंगे। भारत देश उन्नति के पथ पर अग्रसर रहेगा। भारत फिर से विश्व गुरु बनेगा। इसी कामना को लेकर रामार्चा पूजा किया गया। इस मौके पर राम लक्ष्मण कुंज के महंत आचार्य गौतम कृष्ण महाराज समेत काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

बार्डर के सीएचसी ठूठीबारी में बच्चों की दवाएं समाप्त, बाहर से दवा खरीद रहे मरीज

संवाददाता–महराजगंज। जिम्मेदारों की मनमानी लोगों पर भारी पड़ गई है। इंडो–नेपाल बार्डर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पीडियाट्रिक्स सहित एक दर्जन दवाएं समाप्त हो गई हैं। ओपीडी में मरीज को देखने के बाद डॉक्टर उन्हें बाहर मेडिकल स्टोर्स से दवा लेने की सलाह दे रहे हैं। इससे मरीजों संग तीमारदारों की परेशानी बढ़ गई हैं। निरूशुल्क की जगह अधिक मूल्य पर दवा लेने से मरीजों की जेब ढिली हो गई है। बार्डर के ठूठीबारी क्षेत्र के 30 हजार आबादी को निःशुल्क के साथ त्वरित इलाज देने के लिए ठूठीबारी के धरमौली में 30 बेड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित हुआ। दो डॉक्टर और दो फार्मासिस्ट के अलावा चौकीदार की तैनाती भी है। बार्डर पर सीएचसी होने के चलते यहां पर अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन सीएचसी पर करीब बच्चों की दवा सहित करीब एक दर्जन दवा समाप्त हो गई है। निर्देश के बाद भी जिम्मेदार इसे लेकर सक्रिय नही हैं। ओपीडी में मरीजों को देखने के बाद डॉक्टर काउंटर पर दवा नही होने का हवाला देकर बाहर मेडिकल स्टोर से दवा लेने की सलाह दे रहे हैं। निःशुल्क की जगह बाहर मेडिकल स्टोर से अधिक मूल्य पर दवा खरीदने से मरीजों संग तीमारदारों की सांसत हो गई हैं। कस्बा निवासी जयप्रकाश, हरिशंकर, राजकुमार और गीता का कहना है कि बच्चे को कई दिन से बुखार आ रहा है। ओपीडी में डॉक्टर ने दवा लिखी हैं। लेकिन सीएचसी काउंटर पर दवा नही मिला। काउंटर पर तैनात कर्मचारी ने बताया कि बच्चों की दवा समाप्त हो गई है। सरकारी पर्ची लेकर बाहर मेडिकल स्टोर्स से से दवा खरीदना पड़ा।

बीएसए ने प्रावि भीखमपुरवा का किया दौरा

संवाददाता–गोण्डा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रेमचंद यादव ने शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय भीखमपुरवा का दौरा किया। विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र–छात्राओं से जवाब सवाल भी किए। विद्यालय के छात्र द्वारा गणित का सही उत्तर पाकर शिक्षको के प्रयासों की सराहना भी की। विद्यालय के कक्षा एक का छात्र नैतिक ने एक बार में पचहत्तर जिलों के नाम, कक्षा तीन की बबली गुणा और भाग के सवाल हल किए कक्षा चार के अनुराग ने चौंतीस का पहाड़ा सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। बीएसए ने विद्यालय में बने किचन गार्डन और किचेन शेड की सराहना की। विद्यालय की भौतिक परिवेश व कक्षाओं की मनमोहक पेंटिंग देखकर विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज मिश्रा की पीठ थपथपाई।

सिसवा मिल में गन्ने की पेराई बंद, साढ़े चार लाख कुन्तल गन्ना गैर जनपद आवंटित

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा आईपीएल चीनी मिल को प्रबंधन ने तकनीकी कारणों का हवाला देकर समय से पहले मिल को बंद कर दिया। जिसका खामियाजा अब सिसवा परिक्षेत्र के करीब 3300 किसानों को भुगतना पड़ रहा है। किसानों की समस्याओं को देखते हुए गन्ना आयुक्त के निर्देश जिला गन्ना अधिकारी ओमप्रकाश यादव ने गैर जनपद की खड्डा व रामकोला चीनी मिल को करीब साढ़े चार लाख कुन्तल गन्ना आवंटित कर दिया।

चालू पेराई सीजन 2023–24 को लेकर महराजगंज जिले में करीब 31 हजार किसानों ने 16459 हेक्टेयर में गन्ना खेती किया है। गन्ना आयुक्त ने गन्ने की तौल को लेकर नवम्बर महीने में मिलवार 40 केन्द्रों का आवंटित किया है। इस सत्र में किसानों का गन्ना सिसवा, रामकोला, पिपराइच चीनी मिल को खरीदने का निर्देश दिए गए हैं। पर सिसवा मिल प्रबंधन ने चार दिन पहले अल्टीनेटर खराबी का हवाला देकर मिल में पेराई बंद कर दिया। जिससे किसानों की परेशानी बढ़ गई। गन्ना आयुक्त तक किसानों का मामला पहुंचने के बाद गन्ना विभाग ने खड्डा, रामकोला चीनी मिल को सिसवा क्षेत्र के छोटे, सीमान्त किसानों का गन्ना आवंटित कर दिया है। किसी जमाने में महराजगंज में चार–चार चीनी मिलें हुआ करती थी। महराजगंज के किसान बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती किया करते थे। महराजगंज के किसान 21 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में गन्ना खेती करते थे। लेकिन चीनी मिलों के बंद होने एवं करोड़ों रूपये गन्ना मूल्य फंसने के कारण अब गन्ने की खेती के प्रति किसानों का झुकाव लगातार घटती जा रही है। चालू सत्र में गन्ना विभाग द्वारा कराए गए सर्वे में गन्ना विभाग को कुल 16459 हेक्टेयर में गन्ना खेती होने का आकड़ा प्राप्त हुआ है। गन्ना सर्वे में सिसवा परिक्षेत्र में 9568, घुघली में 4082, गड़ौरा में 2487 एवं फरेन्दा क्षेत्र में 322 हेक्टेयर गन्ने की खेती का रकबा विभाग को प्राप्त हुआ है। चालू सत्र में भी सिसवा मिल प्रबंधन द्वारा तकनीकी खराबी का हवाला सुनकर किसान हताश व परेशान हैं।

चालू सत्र में सिसवा चीनी मिल ने अब तक 27 लाख कुन्तल से अधिक गन्ने की खरीदारी किया जा चुका है। सिसवा मिल ने अब तक 87 करोड़ 90 लाख का भुगतान किया जा चुका है।

ओमप्रकाश सिंह यादव– जिला गन्ना अधिकारी ने कहा कि सिसवा मिल ने तकनीकी खराबी का हवाला देकर गन्ने की पेराई बंद कर दिया है। सिसवा परिक्षेत्र में अभी साढ़े चार लाख कुन्तल तौलने में बचा हुआ है।

अटल शो के कलाकार करेंगे रामलला का दर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या । पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई पर बनने वाले शो अटल की अदाकारा नेहा जोशी एवं आशुतोष कुलकर्णी 9 अप्रैल को श्री राम मंदिर में विराजमान श्री रामलला के दर्शन पूजन करेंगे । कलाकारों का मानना है कि चौत्र रामनवमी महोत्सव के शुभ आरंभ पर भगवान श्री राम का आशीर्वाद लेने पर सभी काम पूरे होंगे एवम शो अटल के अन्य कलाकार भी मुख्य कलाकारों के साथ दर्शन करेंगे, कलाकारों का मानना है कि दर्शन पूजन से कृपा मिलेगी।

संदिग्ध हालात में पंखे से लटका मिला महिला का शव

संवाददाता–महराजगंज। ग्राम सभा रामपुर के टोला ढोढ़घाट चौराहा निवासी एक महिला का संदिग्ध अवस्था में कमरे में पंखे से लटकता शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के मौत की सूचना मायका पक्ष को दे दी गई है।

बृजमनगंज थाना क्षेत्र के रामपुर टोला ढोढ़घाट निवासी सुनीता पत्नी अजय सहानी (28) का शव शुक्रवार की देर शाम कमरे में पंखे से लटकता शव मिला। पति के अनुसार घटना के समय अपने भाई के साथ खेत में काम करने के लिए गया हुआ था। देर शाम घर आया तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। परिजनों ने देर तक कमरे का दरवाजा खटखटाया लेकिन दरवाजा नहीं खुला।

कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो सुनीता का शव पंखे से लटक रहा था। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सीओ अनिरूद्ध कुमार व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच कर घटना की जांच में जुट गई। मृतका को एक वर्ष की पुत्री दीक्षा और तीन वर्ष का एक बेटा सत्यम है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

सरकार को चूना लगाने वाले गिरोह का खुलासा, बिहार में जाली स्टांप छापकर कई राज्यों में करते थे सप्लाई, सात गिरफ्तार

संवाददाता—गोरखपुर। जाली स्टांप छाप कर यूपी—बिहार सहित कई प्रदेश की सरकारों को चूना लगाने वाले एक गिरोह का शुक्रवार को गोरखपुर पुलिस ने खुलासा किया। बिहार प्रांत के सिवान में यह गिरोह जाली स्टांप की छपाई कर यूपी सहित कई राज्यों में सप्लाई देता था। स्टांप वेंडरों के माध्यम से बड़े पैमाने पर जाली स्टांप खपाया जा रहा था। दो सप्लायरों और पांच वेंडरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरोह ने अब तक कितने अरब का चूना लगाया इसकी जांच जारी है। इनके पास से न्यायिक व गैर न्यायिक करीब 1 करोड़ 52 हजार 30 रुपये के जाली स्टांप और प्रिंटिंग से सम्बन्धित उपकरण बरामद किए हैं। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि पकड़े गए दोनों सप्लायरों में 84 साल का मोहम्मद कमरूद्दीन और उसका नाती साहेबजादे है। दोनों सिवान जनपद के मोफस्सिल नई बस्ती के रहने वाले हैं। दोनों ने जाली स्टांप का प्रिंटिंग प्रेस लगाया था। कमरूद्दीन ने अपने ससुर से जाली नोट की छपाई सीखी थी। उसके बाद उसने अपने बेटे और नाती को भी सिखा दिया था। कमरूद्दीन के नाती साहेबजादे ने तो स्टांप के सिक्योरिटी फीचर पर आधारित कोर्स भी किया था। एसएसपी डॉ. गौरव ने बताया कि गोरखपुर कचहरी में 50 हजार रुपये के जाली स्टांप पकड़े गए थे। 10 जनवरी 2024 को इस मामले में कैंट थाने में केस दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे प्रकरण की जांच के लिए एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई की निगरानी में एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी ने 19 जनवरी को गोरखपुर के स्टांप वेंडर रविदत्त मिश्र को जाली स्टांप बेचने के मामले में गिरफ्तार किया। रविदत्त की गिरफ्तारी के बाद सबसे बड़ा सवाल यही था कि जाली स्टांप कहां से आ रहा है और इसकी प्रिंटिंग कहां हो रही। एसआईटी प्रभारी एएसपी अंशिका वर्मा के नेतृत्व में टीम इसकी जांच कर रही थी। जांच के दौरान मिली कड़ियों को जोड़ते हुए एसआईटी को गिरोह तक पहुंचने में कामयाबी मिली।

एसएसपी ने बताया कि एसआईटी ने दोनों सप्लायरों के अलावा गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर के पांच स्टांप वेंडर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि दोनों सप्लायरों के जरिए ये वेंडर खुद जाली स्टांप बेचने के साथ सप्लाई भी देते थे। यह गिरोह लम्बे समय से इस धंधे से जुड़ा हुआ है, ऐसे में यूपी के अलावा अन्य राज्यों में भी इनका नेटवर्क फैले होने की आशंका है। एसएसपी ने बताया कि एसआईटी की जांच जारी रहेगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे जिस जिले से संबंधित होंगे उन जिलों को पत्र लिखकर अवगत कराया जाएगा।

देवरिया में तैनात झंगहा के पीआरवी जवान ने लगाई फांसी

संवाददाता—गोरखपुर। देवरिया जिले के खामपार थाना में पीआरवी में तैनात कांस्टेबल दुर्गेश पासवान (25) पुत्र स्व. महंथ पासवान ने गुरुवार की देर रात 11 बजे झंगहा क्षेत्र के अमडीहा स्थित गांव में अपने अपने घर मे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना पर परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दुर्गेश पासवान छुट्टी पर घर आया था। वह दो भाइयों में छोटा था। उसका बड़ा भाई पन्नेलाल घर पर रहता है। वह 2018 बैच का सिपाही था। वह पहले गौरी बाजार में तैनात था। उसके बाद उसका स्थान्तरण खामपार थाना में पीआरवी में हो गया। वह अविवाहित था। गुरुवार रात में अपने चचेरे भाई के जमदिन में भोजन करने गया था। भोजन करके घर लौटा और फिर अपने कमरे में जाकर फांसी लगा लिया। उसके आत्महत्या के पीछे किसी खास कारण का पता नही चल रहा है। लेकिन आम चर्चा है कि वह किसी लड़की को फोन करता रहता था। उसके मोबाइल से सीडीआर निकाले जाने पर उसके आत्महत्या का राज खुल सकता है। वह अपने परिवार का इकलौता कमाऊ था। पारिवारिक स्थिति बहुत अच्छी नही थी। उसके निधन पर उसकी माता सुभावती देवी व परिवार के अन्य लोगों का रो रोकर बुरा हाल है।

विदेश से बदमाश पकड़ कर लाने का काम शुरू, गोरखपुर में 13 के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी

संवाददाता—गोरखपुर। अब अपराध कर विदेश जाकर छिप जाना आसान नहीं है। अब पुलिस ने बदमाशों को विदेशों से पकड़कर लाने का भी इंतजाम शुरू कर दिया है। गोरखपुर पुलिस ने विदेश में छिपे बदमाशों के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी कराकर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। वांछित 13 लोगों के खिलाफ गोरखपुर पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी कराया है और तीन को पकड़ने में कामयाब भी हो गई। अभी कुछ और पर लुक आउट नोटिस जारी करने की तैयारी है। जालसाजी के विभिन्न मामलों में आरोपित के विदेश भागने वालों की जिले में अच्छी खासी संख्या है। इनमें पासपोर्ट से जुड़ी जालसाजी के सबसे ज्यादा आरोपित हैं। एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर ने इनके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी कराना शुरू कराया है। बड़हलगंज, गोला, गगहा, बेलीपार, खजनी आदि थानों में वर्ष 2022— 2023 में दर्ज 19 मुकदमों की विवेचना इस वजह से ही पेंडिंग है क्योंकि उसके आरोपी वर्तमान में विदेश में हैं। इन्में कुछ के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी हो गया है जबकि कुछ की प्रक्रिया चल रही है। केस दर्ज हुआ तब था घर, बाद में भाग गया विदेशः उरुवा थाना क्षेत्र के दुबरीपुरा निवासी सुनील यादव ने दो अलग—अलग नाम से पासपोर्ट बनवा लिया। जांच में आरोप सही मिलने पर उरूवा थाने में सुनील यादव और उसके भाई सुधीर पर केस दर्ज किया गया है। केस दर्ज होने के पांच दिन बाद सुनील विदेश भाग गया। अब इस मामले में भी लुक आउट नोटिस की तैयारी है। बड़हलगंज, कोतवाली पुलिस ने देदापार निवासी अनिल कुमार शुक्ला को दो पासपोर्ट बनवाने के मामले में गिरफ्तार किया था। लखनऊ पासपोर्ट आफिस की जांच में अनिल का फर्जीवाड़ा पकड़ा गया था। पासपोर्ट आफिस की सूचना पर पुलिस ने अनिल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया था। रिटेल शॉप खोलने का लालच देकर लोगों से पैसे जमा करवाकर करोड़ों रुपये हड़प कर फरार सीएमडी डॉ फैजान के खिलाफ पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी कराया है। मई 2023 में मुकदमा दर्ज होने ले बाद से ही वह दुबई भाग गया है।

पुलिस मुठभेड़ में दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, पुलिस टीम पर फायरिंग कर भाग रहा था

संवाददाता—गोरखपुर। दुष्कर्म के एक आरोपी की शुक्रवार सुबह पुलिस टीम से मुठभेड़ हो गई। जवाबी फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लग गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अमरौला निवासी शादाब के खिलाफ बीते दिनों एक युवती से दुष्कर्म का मुकदमा दायर हुआ था। पुलिस टीम उसकी गिरफ्तारी की कोशिश में जुटी थी। इस बीच शुक्रवार सुबह चार बजे करीब उसकी लोकेशन कटरिया याकूबपुर बाईपास के निकट मिली। एएसपी के अनुसार, पुलिस टीम वहां पहुंची तो वह बचने के लिए फायरिंग करते हुए कालेपुर चकमार्ग की तरफ भागने लगा। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। एक गोली शादाब के पैर में लगी जिसके बाद वह गिर पड़ा। पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ा और जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

ट्रेन से कट कर युवक की मौत

संवाददाता—गोरखपुर। चिलुआताल थाना अन्तर्गत मजनू चौकी क्षेत्र के जगतबेला रेलवे स्टेशन के पूर्वी आउटर के पहले ही ट्रेन की चपेट में आकर युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटनास्थल जीआरपी का होने के कारण जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार डोहरिया बाजार निवासी प्रवेश गुप्ता (25) पुत्र राजेन्द्र गुप्ता की 4ध्5 की रात टिकरिया गाँव के अन्डरपास के पास रेलवे लाइन पर ट्रेन से कट कर शव पड़ा हुआ था। रेलवे लाइन पर ही शराब की शीशी एवं गिलास पड़ा हुआ मिला देखने से लग रहा था कि युवक रेलवे लाइन पर ही बैठ कर शराब पी रहा था। घटना स्थल के बगल में ही मृतक की बाइक रेलवे लाइन के किनारे खड़ी मिली मृतक का मोबाइल उसके पैन्ट की जेब में ही पड़ा हुआ था मृतक छह भाइयों में सबसे छोटा था मृतक अपने परिवार के लोगों के साथ व्यवसाय करता था अभी इसकी शादी नहीं हुई थी।

इंटरमीडिएट की छात्रा ने ट्रेन के आगे कूद कर दी जान

संवाददाता—गोरखपुर। नगर पंचायत पिपराइच स्थित विष्णुपुरी मंदिर के पास शुक्रवार की सुबह एक छात्रा ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। उसकी पहचान कस्बे के एक इंटरमीडिएट की छात्रा मीना यादव पुत्री रामा यादव ग्राम बड़हरा नागा थाना कप्तानगंज जिला कुशीनगर के रूप में की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार छात्रा सुबह से ही मंदिर के आसपास स्कूल ड्रेस में टहल रही थी। दिन में करीब 11 बजे ट्रेन के आते ही दौड़कर उसके आगे कूद गई। छात्रा गुरुवार को अंकपत्र लेने कालेज आई थी। उसके पास से ग्यारहवीं पास का अंकपत्र भी मिला है। छात्रा कुछ दिनों से डिप्रेशन में बताई जा रही है। पिता काफी दिनों से बीमार चल रहे हैं।

शॉट सर्किट से गेहूं की फसल में लगी आग, गेहूं की फसल जल कर राख

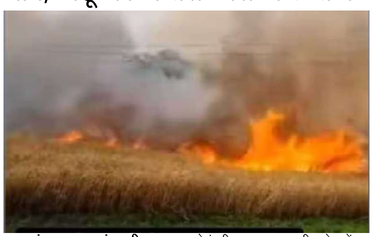

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के बखिरा थाना क्षेत्र के तिघरा कोपिया सिवान में शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल में आग लग गई। जिससे मे करीब 35 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों, पुलिस व दमकल कर्मियों के घंटों प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। जब तब लोग आग पर काबू पाते तब फसल जलकर राख हो गई थी। बखिरा थाना क्षेत्र के तिघरा कोपिया सिवान में बिजली तारों के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। कोपिया गांव निवासी पीड़ित संतोष, शिवाकांत, ध्यानचन्द्र, भागवत, मीना, श्रीकांत, बाबूराम, दीनानाथ, दौलतराम, राम सवरूप, लालजी, हरिहर, शिवप्रसाद, लाल चन्द्र, मूलचन्द्र, परशुराम, त्रियुगीनरायण, हरिओम, हरिनारायण, सत्यनरायण, मनीराम, उर्मिला, राम बेलास, केशमती, भानमती, इंद्रेश यादव व तिघरा गांव निवासी अयोध्या गुप्ता, राजेश गुप्ता, संजय गुप्ता, मंशा देवी, शिव प्रसाद चौधरी, हीरा, गणेश भारतीय, विनोद, बुद्धिराम आदि की गेहूं की फसल आग की चपेट में आ गई। तैयार फसल से आग की लपटें उठती देख दर्जनों ग्रामीण शोर करते हुए दौड़ पड़े। हाथ में पेड़ की टहनी तोड़ कर फसल के आगे पीटने लगे जिससे आग आगे न बढ़ सके। ग्रामीणों ने इसकी सूचना फायर बिग्रेड व पुलिस को दी। लोगों की घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जब तक ग्रामीण आग पर काबू पाते तब तक 35 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। पीड़ितों ने जले हुए फसल की मुवाअजा दिलाने की मांग की है। दूसरी ओर महुली थाना क्षेत्र के ग्राम काली जगदीशपुर गांव के निकट शुक्रवार को अज्ञात कारणों से गेहूं की फसल में आग लग गई। आग लगने से किसान रमेश चौहान पुत्र मॉंकू की खेत मे खड़ी गेंहू की लगभग एक बीघा जलकर नष्ट हो गई। ग्रामीणों की सक्रियता के चलते आग लपट आगे नहीं बढ़ सकीं। वरना भारी नुकसान हो सकता था। आग कैसे लगी इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

स्थानांतरण के बाद भी आवास पर कब्जा, एसडीएम को लिखा पत्र

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बढ़नी ब्लॉक क्षेत्र के भुतहवा पीएचसी पर तैनात चिकित्सक डॉ. रतनदीप गौतम का बर्डपुर ब्लॉक क्षेत्र में स्थानांतरण कर दिया गया है। स्थानांतरण के बाद भी चिकित्सक बढ़नी के आवास पर कब्जा जमा रखे हैं। विभागीय लोगों का कहना है कि चिकित्सक मरीज देखने के चलते आवास को खाली नहीं कर रहे हैं। इस मामले को लेकर बढ़नी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. अविनाश चौधरी ने एसडीएम शोहरतगढ़ को पत्र लिखकर आवास को खाली कराने की मांग की है। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने एसडीएम को लिखे पत्र में बताया है कि ब्लॉक क्षेत्र के भुतहवा पीएचसी पर तैनात चिकित्सक डॉ. रतनदीप गौतम बढ़नी पीएचसी के आवास पर निवास करते थे। प्रभारी सीएमओ डॉ. डीके चौधरी ने सात मार्च को पत्र जारी कर डॉ. रतनदीप गौतम को बर्डपुर ब्लॉक क्षेत्र के अलीगढ़वा पीएचसी पर स्थानांतरित करते हुए नई तैनाती दी है। प्रभारी सीएमओ के इस पत्र के बाद प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ.अविनाश चौधरी ने चिकित्सक डॉ. गौतम को नई तैनाती स्थल पर योगदान देने के लिए नौ मार्च को ही कार्यमुक्त कर दिया, बावजूद चिकित्सक के कार्यमुक्त हुए माह भर का समय बीतने को है लेकिन आवास पर आज भी कब्जा बना हुआ है। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने एसडीएम को लिखे पत्र में बताया है कि डॉ. रतनदीप गौतम का स्थानांतरण/कार्यमुक्त हो जाने के बाद भी चिकित्सा अधिकारी आवास खाली नहीं किया गया है। इससे पीएचसी पर तैनात अन्य चिकित्साधिकारियों की इमरजेंसी ड्यूटी में बाधा खड़ी है। उन्होंने एसडीएम से प्रकरण का संज्ञान लेते हुए आवास खाली कराने की मांग की है। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने डॉ. गौतम द्वारा आवास खाली न करने के संदर्भ प्रभारी सीएमओ व अधीक्षक बर्डपुर को भी पत्र लिखकर अवगत कराया है। चिकित्सक डॉ.रतनदीप गौतम आवास पर मरीज देखने को लेकर लंबे समय से चर्चा में बने हैं। इनके द्वारा आवास पर मरीज देखने की किसी ने शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा से शिकायत की थी। विधायक ने प्रकरण का संज्ञान लेते हुए प्रभारी सीएमओ डॉ. डीके चौधरी को अवगत कराया। इसके बाद डॉ. गौतम का बर्डपुर ब्लॉक क्षेत्र में स्थानांतरण कर दिया गया है। चिकित्सक का बढ़नी ब्लॉक से चार बार स्थानांतरण किया गया लेकिन हर बार यह वापस बढ़नी पहुंचते रहे हैं।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष भिड़े, कई घायल

संवाददाता—गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा रहमत नगर मानीराम में गुरुवार देर रात लगभग पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हो गई। इसमें दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। इसमें शान्ति देवी की हालत गम्भीर बनी हुई है, जिसका इलाज मेडिकल कालेज में चल रहा है। एक पक्ष के प्रेम चौहान पुत्र राम भोग निवासी रहमत नगर और दूसरे पक्ष के सरिता पत्नी अमर सिंह निवासी रहमत नगर की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। प्रेमचौहान ने लिखित तहरीर में कहा है कि रात में आसपास गांव के ही सुरजीता पत्नी मिलन, सुरजीता की मां प्रभावती, केशव एवं प्रभावती का दामाद राममिलन घर में घुस आए और उसकी बहन शान्ति देवी, रेखा व मेरी पत्नी गेना को मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया।

मक्का और वेटिकन सिटी से आगे निकली रामनगरी, प्राण प्रतिष्ठा के बाद लगा श्रद्धालुओं का तांता

संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी धार्मिक पर्यटन का हब बनने की ओर अग्रसर है। अयोध्या मक्का व वेटिकन सिटी से भी आगे निकल चुकी है। आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद तीन अप्रैल तक अयोध्या में 1.70 करोड़ श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। दुनिया में इतनी बड़ी संख्या में लोग किसी भी धर्मस्थल पर नहीं पहुंच रहे। ईसाइयों के सबसे बड़े धार्मिक स्थल वेटिकन सिटी में साल भर में करीब 90 लाख लोग आते हैं। मुस्लिमों के पवित्र स्थल मक्का में पिछले साल 1.35 करोड़ लोग पहुंचे। अयोध्या की अर्थव्यवस्था पर शोध कर रहे अर्थशास्त्री प्रोघ विनोद श्रीवास्तव बताते हैं कि 2019 में अयोध्या में रोजाना पांच हजार लोग आते थे। अब दो लाख लोग आ रहे हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अयोध्या की अर्थव्यवस्था को पंख लगे हैं। अयोध्या में मंदिर निर्माण के साथ यहां जमीन का रेट 10 गुना बढ़ गया है। करीब 700 लोगों ने अपने घरों को होम स्टे में बदल दिया है। पिछले दो साल में करीब 100 होटल बनकर तैयार हुए। 50 से ज्यादा होटल निर्माणाधीन हैं। प्रोघ विनोद श्रीवास्तव के अनुसार अयोध्या में उद्योग एवं सेवा के क्षेत्र में चार फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 22 जनवरी के बाद से तीन अप्रैल तक रामलला के दरबार में 1.70 करोड़ भक्त पहुंच चुके हैं। रामनवमी मेले में 50 लाख श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की संभावना है।

अदा की गई जुमा अलविदा की नमाज

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। माह ए रमजान के जुमा अलविदा की नमाज पूरे अकीदत के साथ पढ़ी गई। इस विशेष नमाज को पढ़कर खैर और बरकत की दुआ मांगी गई। जामा मस्जिद के पेश इमाम ने खुतबे में रमजान और इस महीने के जुम्मा अलविदा की फजीलत को बयां किया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में रमजान की रौनक शबाब पर दिखी। मस्जिद नमाजियों से भरी रही।

दवा खरीद को आया 25 लाख का बजट वापस

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या के जिला चिकित्सालय में बड़ी लापरवाही सामने आयी है। यहां दवा खरीदने के लिए आया 25 लाख का बजट शासन को वापस हो गया है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस वर्ष बड़े पैमाने पर दवा की लोकल खरीदारी हुई। उसे अन्य मदों से किया गया। जबकि पोर्टल के माध्यम से खरीदी जानी वाली दवाओं के लिए आवंटित रुपए नहीं खर्च हो पाए।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 12/2024
न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान—बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

राजेश
बनाम
इन्द्रपति आदि

1. इन्द्रजीत 2. इन्दल 3. अर्जुन प्रसाद पुत्रगण राम अजोरे 4. सूरसती पत्नी स्व0 राम अजोरे साकिन झुगवा गड़ोरी तप्पा मसिना परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

5. कन्हैया पुत्र राजपती साकिन झुगवा गड़ोरी तप्पा मसिना परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 25—04—2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **25—04—2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अंबेडकरनगर से रहा मायावती का गहरा नाता सिर्फ जीत की हैट्रिक ही नहीं बनाई, अंतर भी बढ़ाया

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। अपने मुख्यमंत्रित्व काल में जिले का गठन करने वाली बसपा सुप्रीमो मायावती यहां लोकसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक लगा चुकी हैं। तब सीट अकबरपुर सुरक्षित नाम से थी। खास बात यह है कि लगातार तीन जीत के साथ ही उन्होंने हर बार अपनी जीत का अंतर भी बढ़ाया। अंबेडकरनगर जनपद से पूर्व सीएम मायावती का गहरा नाता रहा है। इसकी शुरुआत तब हुई जब उन्होंने पहली बार मुख्यमंत्री बनते ही अयोध्या (तत्कालीन फैजाबाद) जनपद को विभक्त कर 29 सितंबर 1995 को अंबेडकरनगर नाम से नए जिले की घोषणा कर दी। इसके लिए वह स्वयं अकबरपुर आई थीं। शिवबाबा मैदान पर हुई रैली में ही पहले डीएम और एसपी से जनता का परिचय कराया। इसके बाद अपने प्रत्येक कार्यकाल में मुख्यमंत्री के तौर पर जिले को बड़ी—बड़ी विकास परियोजनाएं दीं। बसपा प्रमुख ने इस जिले को अपनी राजनीतिक कर्मभूमि भी बनाई। उन्होंने वर्ष 1998 के आम चुनाव में यहां से लड़ने की घोषणा कर हलचल मचा दी थी। हालांकि तब भी ज्यादातर लोगों को लगा कि अंत तक मायावती यहां नहीं आएंगी, पर नामांकन शुरू होने पर मायावती ने यहां पहुंचने के साथ ही अकबरपुर सुरक्षित संसदीय सीट से बतौर प्रत्याशी परचा भी भर दिया। भाजपा और सपा ने स्थानीय प्रत्याशियों पर दांव लगाकर पूरी मजबूती से टक्कर दी। नतीजा यह रहा कि बड़ा कद होने के बावजूद मायावती सिर्फ 25,179 मत के अंतर से जीत सकीं। उन्हें 2,63,561 मतदाताओं का साथ मिला। — केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार विश्वासमत में गिर जाने के बाद 1999 में फिर हुए चुनाव में भी मायावती ने इसी सीट को चुना। इस बार उन्होंने पिछले चुनाव से शानदार प्रदर्शन किया। 2,59,762 वोट हासिल कर उन्होंने सपा प्रत्याशी राम पियारे सुमन को 53,386 मत के बड़े अंतर से हराया। बसपा प्रमुख ने वर्ष 2004 के चुनाव में भी अंबेडकरनगर का रुख किया। इस बार न सिर्फ उन्होंने जीत की हैट्रिक लगाई वरन जीत का अंतर भी बढ़ाने में सफलता हासिल की। उन्हें 3,25,019 वोट मिले। उन्होंने सपा के शंखलाल मांझी को 58,269 वोट से पीछे छोड़ दिया। हैट्रिक की सफलता के साथ मायावती ने अपने वोटों की संख्या तीन लाख के पार पहुंचा दी। हालांकि वोट में ज्यादा बढ़ोत्तरी सपा प्रत्याशी की भी हुई।

धूमधाम से मनाई जाएगी बाबा साहब की जयंती

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। कस्बे के शाहपुर स्थिति आंबेडकर पार्क में शुक्रवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को धूमधाम से मनाने के लिए बैठक हुई। बैठक में लोगों ने कार्यक्रम की सफलता को लेकर चर्चा की। इस दौरान सभी को जिम्मेदारी भी सौंपी गई। बच्चाराम बौद्ध ने कहा कि बाबा साहब ने सभी को समता, समानता व बंधुत्व का संदेश दिया। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों व भेदभाव को मिटाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। 14 अप्रैल को उनकी जयंती को यादगार बनाने के विषय पर चर्चा की गई। इस दौरान अभय कुमार आजाद, सूर्यबली, रामकुमार गौतम, रमेश गौतम, राजेंद्र प्रसाद, करन मिस्री, सुखपाल गौतम, शीश कमल, राजकुमार आदि मौजूद रहे।

बाबरी के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी के साथ बदसलूकी योगी का समर्थन करने पर मारपीट का आरोप

संवाददाता—अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का समर्थन करना बाबरी पक्ष के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी को भारी पड़ गया। इकबाल अंसारी के साथ बदसलूकी हुई है। शुक्रवार को अलविदा की नमाज के दौरान मस्जिद परिसर में अय्यूब उर्फ पप्पू नामक व्यक्ति ने उससे अभद्रता की है।

इकबाल अंसारी ने मामले में हाथापाई और धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाना रामजन्मभूमि में तहरीर दी है। इकबाल का आरोप है कि योगी सरकार की बधाई और योगी के समर्थन के कारण अयूब नाराज हैं। उन्होंने बताया कि वह बिजली शाहिद मस्जिद में वे नमाज पढ़ने गए थे। अयूब उर्फ पप्पू के साथ चार लोग मस्जिद में मौजूद थे। इस दौरान अयूब ने हाथापाई की।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com